mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-312 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

13 नवंबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने चीन विरोधी माइक वॉल्ट्ज को बनाया एनएसए

- भारत से दोस्ती रखने के हैं हिमायती

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्लोरिडा के सांसद माइक वॉल्ट्ज को देश का नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर नियुक्त करने का फैसला किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस फैसले से परिचित दो सूत्रों ने ये जानकारी दी है। माइक वॉल्ट्ज को चीन-ईरान का विरोधी और भारत समर्थक माना जाता है। वे चीन पर अमेरिका की निर्भरता कम करने से जुड़े कई विधेयकों का समर्थन कर चुके हैं। वॉल्ट्ज अमेरिकी सेना की स्पेशल यूनिट फोर्स में ग्रीन बेरे कमांडो रह चुके हैं और तालिबान के साथ अफगानिस्तान में जंग भी लड़ चुके हैं।

झारखंड-बंगाल में वोटिंग से पहले ईडी की छापेमारी

17 जगहों पर सर्चिंग जारी

रांची (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में 17 जगहों पर छापेमारी की। मामला बांग्लादेशी घुसपैठ, देह व्यापार और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम कई लोगों और संगठनों की सीमापार घुसपैठ से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रही है। झारखंड विधानसभा चुनाव में कल यानी बुधवार को पहले चरण में 43 सीटों पर वोटिंग होनी है। वहीं, पश्चिम बंगाल की 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

शाहरुख को धमकाने वाला वकील रायपुर से गिरफ्तार

रायपुर (एजेंसी)। शाहरुख खान को धमकी देने वाले आरोपी मोहम्मद फैजान खान को मुंबई पुलिस ने मंगलवार (12 नवंबर) को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया। एक्टर की टीम ने धमकी दे ने वाले के खिलाफ बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज क र वाई थी, जिस के बाद पुलिस जांच शुरू हुई थी। जिस नंबर से शाहरु ख धमकी दी गई थी, वह रायपुर में रहने वाले वकील फैजान खान के नाम पर रजिस्टर्ड था। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार सुबह मुंबई पुलिस के अजय सिंह और उनकी टीम ट्रांजिट रिमांड के लिए रायपुर पहुंची। यहां फैजान को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आज उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

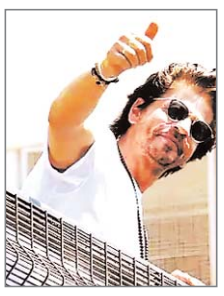

एससी में तत्काल सुनवाई के लिए बदल गए नियम

- नए चीफ जस्टिस ने आते ही कर दिया यह बदलाव
- कार्यभार के दूसरे दिन ही लिया गया है बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने मंगलवार को तत्काल सुनवाई के मामलों में चली आ रही पुरानी व्यवस्था को बदलने का आदेश दिया। अब मामलों की तत्काल सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख की अनुमति नहीं होगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि अब कोई मौखिक उल्लेख नहीं होगा। तत्काल सुनवाई का कारण बताते हुए ईमेल या लिखित पत्र में इसका जिक्र करना होगा। उन्होंने वकीलों से इसके लिए ईमेल या लिखित पत्र भेजने की बात कही। आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष अपने मामलों पर तत्काल सुनवाई के लिए उनका उल्लेख करते थे। चीफ जस्टिस ने न्यायिक सुधारों के लिए नागरिक-केंद्रित एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है और कहा है कि न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित

करना और नागरिकों के साथ उनकी स्थिति की परवाह किए बिना समान व्यवहार करना न्यायपालिका का संवैधानिक कर्तव्य है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में 51वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति खन्ना को शपथ दिलाई थी। चीफ जस्टिस ने सोमवार को अपने पहले बयान में कहा न्यायपालिका शासन प्रणाली का अभिन्न, फिर भी अलग और स्वतंत्र हिस्सा है। संविधान हमें संवैधानिक संरक्षक, मौलिक अधिकारों के रक्षक और न्याय के सेवा प्रदाता होने के महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपता है। समान व्यवहार के मामले में न्याय वितरण ढांचे में सभी को सफल होने का उचित अवसर प्रदान करना आवश्यक है, चाहे उनकी स्थिति, धन या शक्ति कुछ भी हो, और ये न्यायपूर्ण और निष्पक्ष निर्णय हो। ये हमारे मूल सिद्धांतों को चिह्नित करते हैं।

'अघाडी' मतलब भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी...

- पीएम मोदी ने चिमूर की रैली में कांग्रेस को निशाने पर लिया
- 40 साल पुराने विज्ञापन के जरिए बताया आरक्षण का विरोधी
- पीएम मोदी ने कहा-महायुति की सरकार से होगी दोहरी तरक्की

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के चिमूर में बीजेपी की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए विपक्ष के गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) पर बड़ा हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और अघाड़ी वाले देश को पीछे करने का, देश को कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। उन्होंने कहा कि ये भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं। पीएम मोदी ने चिमूर की रैली आई भीड़ को संबोधित करते हुए केहा कि महाराष्ट्र में चुनाव के क्या नतीजे आने वाले हैं, ये आप

लोगों ने आज ही दिखा दिया है। ये जनसैलाब बता रहा है कि महाराष्ट्र में महायुति की भारी बहुमत से सरकार बनने जा रही है। पीएम मोदी ने सभा में कांग्रेस के 1984 के विवादित विज्ञापन के मुद्दे को भी उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 1984 के एक विज्ञापन को कोटा की आवश्यकता पर सवाल उठाया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आज महाराष्ट्र बीजेपी को भी बधाई दूंगा, जिसने बहुत ही शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। इस संकल्प पत्र में लाड़की बहनों के लिए, हमारे किसान भाई-बहनों के लिए, युवाशक्ति के लिए, महाराष्ट्र के विकास के लिए एक से बढ़कर एक शानदार संकल्प लिए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि महायुति के साथ-साथ केंद्र में एनडीए की सरकार यानी महाराष्ट्र में डबल इंजन की सरकार, यानी विकास की डबल रफ्तार। महाराष्ट्र के लोगों पिछले 2.5 वर्षों में विकास की इस डबल रफ्तार को देखा है। आज महाराष्ट्र देश का वो राज्य है, जहां सबसे ज्यादा विदेशी निवेश हो रहा है। महाराष्ट्र का तेज विकास हो रहा है।

नागमर्ग इलाके में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को घेरा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नागमर्ग इलाके में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। यहां दो आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर रखा है। नॉर्थ कश्मीर में पिछले 7 दिनों में यह पांचवीं

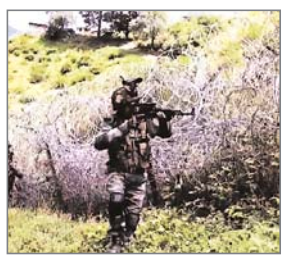

मुठभेड़ है। इससे पहले बांदीपोरा, कुपवाड़ा और सोपोर में मुठभेड़ हो चुकी है। इससे पहले 10 नवंबर को किश्तवाड़ के केशवान के जंगलों में एनकाउंटर हुआ था। यहां 3-4 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी, जिसके बाद सेना ने सर्चिंग की तो आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी थी।

चीन का अमेरिका से जल्द बंधेगा बोरिया बिस्तर!

- भारत पर भी पड़ेंगी छींटे, चिंता में डाल रहा ट्रंप का नया टैरिफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप कुछ समय बाद राष्ट्रपति पद संभाल लेंगे। इसके बाद वह ऐसे काम शुरू कर सकते हैं तो भारत समेत कई एशियाई देशों को चिंता में डाल देंगे। इसमें टैरिफ की दर बढ़ाना भी शामिल है। माना जा रहा है कि सत्ता संभालने के बाद ट्रंप चीन पर 100 फीसदी तक टैरिफ शुल्क लगा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो चीन की अमेरिका के साथ व्यापारिक हिस्सेदारी काफी हद तक खत्म हो सकती है। कई कंपनियां अमेरिका से कारोबार समेट सकती हैं। वहीं ट्रंप एशिया के दूसरे देशों के लिए भी टैरिफ से संबंधित चिंताएं पैदा कर सकते हैं। पहले बात करते हैं कि आखिर यह टैरिफ शुल्क क्या है। दुनिया के कई देशों के बीच अपने-अपने देश के सामान की खरीद-बिक्री की जाती है। जब किसी देश की कोई कंपनी किसी दूसरे देश में कोई सामान बेचती है तो वहां की सरकार टैरिफ शुल्क लगाती है। इसे एक तरह से आयात टैक्स मान सकते हैं।

10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव आज

- केरल की 1 लोकसभा सीट भी शामिल, प्रियंका लड़ रहीं चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में पहले फेज की 43 सीटों के साथ ही 10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव होंगे। सिक्किम की 2 सीटों पर 30 अक्टूबर को ही सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था। वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव राहुल गांधी के इस सीट को छोड़कर रायबरेली सीट चुनने की वजह से हो रहा है। उन्होंने रायबरेली और वायनाड दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीते थे। यहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस प्रत्याशी हैं। कांग्रेस का राज्य में गठबंधन है। भाजपा की ओर से नव्या हरिदास और लेफ्ट गठबंधन से सत्यन मोकेरी चुनावी मैदान में हैं। 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों में से 28 विधायकों के लोकसभा चुनाव में सांसद बनने, 2 के निधन और 1 के दलबदल से उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें 4 सीटें एससी और 6 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। 31 में से 18 सीटें विपक्ष ने जीती थीं। इनमें अकेले कांग्रेस के पास 9 सीटें थीं। वहीं, एनडीए ने 11 सीटें जीती थीं। इनमें से 7 विधायक भाजपा के थे। 2 विधायक अन्य दलों के थे।

गुजरात के अस्पताल ने बिना अनुमति की एंजियोप्लास्टी, 2 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल ने गांव में हेल्थ कैम्प लगाया। वहां से लोगों को लाकर परिजन की जानकारी के बिना 19 लोगों की एंजियोग्राफी कर दी। 7 मरीजों की एंजियोप्लास्टी कर दी गई जिनमें से 2 की मौत हो गई। 5 मरीज फिलहाल आईसीयू में भर्ती हैं। आरोप है कि ये सभी ऑपरेशन अस्पताल के डॉ. प्रशांत वजीरानी ने किए। जानकारी मिलने पर गांव वालों ने अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी। अस्पताल प्रबंधन फिलहाल फरार है। अहमदाबाद के ख्याति हॉस्पिटल ने कादी के बोरिसाना गांव में कैंप लगाया था। वहीं से लोगों को लाया गया था। ख्याति अस्पताल सरकारी योजना का फायदा उठाने के लिए पहले भी इस तरह इलाज करता है। वर्ष 2022 में भी यहां ऐसे ही मामले में 3 मरीजों को लाया गया बाद में इनसें से एक की मौत, हो गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख डॉ.भाविन सोलंकी, स्टैंडिंग कमेटी अध्यक्ष देवांग दानी और पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल पूरे मामले की जानकारी लेने के लिए ख्याति अस्पताल पहुंचे। कोई भी जिम्मेदार डॉक्टर मौजूद नहीं है।

रूस का यूक्रेन पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से हमला

- 6 लोगों की मौत, 30 से ज्यादा घायल, ग्लाइड बम भी दागे

कीव/मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने सोमवार को यूक्रेन पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस दौरान रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पश्चिमी जोन की फ्रंट लाइन से 1000 किमी की दायरे में हैं। सोमवार को रूसी हमले में सबसे ज्यादा 5 नागरिक दक्षिणी शहर माइकोलाइव में मारे गए। इस

शहरों पर ग्लाइड बम भी दागे। इन हमलों में यूक्रेन के 6 नागरिकों की मौत हो गई है, वहीं 30 से ज्यादा घायल हैं। रूस ने यूक्रेन के जिन शहरों को निशाना बनाया है, वे वॉर शहर पर रूस ने ड्रोन से हमला किया था। हमले में एक 45 वर्षीय महिला घायल भी हुई है। इसके अलावा रूस ने जपोरिजिया शहर पर 3 शक्तिशाली ग्लाइड बम दागे। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। रूस का ये हमला रविवार को मॉस्को पर हुए यूक्रेनी ड्रोन अटैक के जवाब में आया है। यूक्रेन ने रविवार को रूसी राजधानी पर 34 ड्रोन से हमला किया था। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने बयान जारी कर दावा किया कि उसने एक हमले में रूस के मिलिट्री हेलीकॉप्टर एम-24 को तबाह कर दिया। ये हमला रूस की राजधानी मॉस्को के करीब क्लिन-5 एयरफील्ड पर किया गया। हेलीकॉप्टर इसी एयरफील्ड पर पार्क था। वहीं रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सोमवार को 17 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। ये ड्रोन रूस के कुर्स्क, बेलगोरोद और वेरोनेज इलाके में मारे गए। यूक्रेन ने शनिवार को दावा किया था कि उसने तुला में प्लांट को निशाना बनाया है।

हिंदुत्व की पिच पर योगी की आक्रामक बैटिंग

- विधानसभा चुनाव में मास्टरस्ट्रोक साबित होगा 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा
- पीएम मोदी और आरएसएस का भी मिला समर्थन, विपक्ष के दांव हुए फेल

लखनऊ (एजेंसी)। टीवी चैनलों से लेकर अखबारों और सोशल मीडिया के अलावा नुक्कड़-चौराहों पर होने वाली राजनीतिक बहस पर आप गौर करेंगे तो इन दिनों एक ही नारे की चर्चा आपको लगभग हर जगह मिलेगी। यह नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिया गया 'बटेंगे तो कटेंगे' का है। अगस्त में जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपना मुल्क छोड़ना पड़ा था और बांग्लादेश के हिंदू समुदाय पर हमले की खबरें सामने आई थी तब योगी आदित्यनाथ ने इस नारे को गढ़ा था। उसके बाद उत्तर प्रदेश में 9 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव और महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव तक में

इस नारे की गूंज सुनाई दे रही है। सोशल मीडिया के बेहद तेज रफ्तार वाले दौर में 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे को लेकर हो रही बयानबाजी को लेकर सपा और बीजेपी के बीच उत्तर प्रदेश में पोस्टर वार भी चल रहा है। सवाल यह है कि क्या यह नारा महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव और उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के उपचुनाव में असर करेगा। इस नारे को लेकर कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दलों ने तो बीजेपी और योगी आदित्यनाथ की आलोचना की ही है, महाराष्ट्र में बीजेपी के सहयोगी दल एनसीपी (अजित पवार गुट) ने भी इस नारे से किनारा कर लिया है।

बीजेपी और हिंदुत्व के स्टार चेहरे बने योगी

पिछले कुछ सालों में योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व के नए चेहरे के रूप में उभर कर सामने आए हैं। गोरखपुर में स्थित गोरक्ष पीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने 2017 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद से ही कई राज्यों में बीजेपी के लिए धुआंधार चुनाव प्रचार किया है। उनकी न सिर्फ उत्तर भारत के राज्यों में बल्कि दक्षिण में भी बड़ी डिमांड है। बीजेपी ने योगी आदित्यनाथ को सुशासन के चेहरे के रूप में भी आगे किया है और दावा किया है उनके नेतृत्व में यूपी ने जबरदस्त तरक्की की है। खुद प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर योगी आदित्यनाथ की खुलकर तारीफ कर चुके हैं। महाराष्ट्र और झारखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के उपचुनाव के नतीजे जब आएंगे तो इस बात का आंकलन जरूर होगा कि हिंदुत्व की राजनीति वास्तव में कितना असर करती है।

अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को भी सरकार की योजनाओं का लाभ मिले - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उपनगर ग्वालियर में बुनयादी ढांचे को और बेहतर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है। हर क्षेत्र में समृद्धि और विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता जारी है। हमारा प्रयास है कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को भी सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर में विभिन्न वार्डों में 4 करोड 14 लाख रूपये से अधिक के विकास कार्यों के भूमि पूजन के अवसर पर कही। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सोमवार को वार्ड क्रमांक-5 में हड्डी मिल में खेल मैदान का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का भूमि पूजन कर क्षेत्र के नव निर्माण की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। खेल और सामुदायिक गतिविधियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने से हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा और अवसर मिलेंगे। हमारा उद्देश्य है कि हर नागरिक के लिए समृद्ध और समर्थ माहौल तैयार करें। आप सभी का सहयोग ही हमारी प्रेरणा है और इसी के बल पर हम विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाते रहेंगे। मंत्री श्री तोमर ने सोमवार को ग्वालियर के वार्ड क्रमांक-1 किशन बाग में नई सीवर लाइन एवं एबी रोड कटी घाटी पर स्थित टिल्लू बाबा की पहाड़ी पर सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। क्षेत्र के विकास और स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए यह परियोजना स्थानीय निवासियों की सुविधा और स्वस्थ वातावरण के लिए एक अहम कदम है। आप सभी के सहयोग से इस विकास यात्रा को निरंतर गति मिल रही है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

खेल मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग चैम्पियनशिप-2024 का आयोजन 9 से 13 नवंबर तक दिल्ली में किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की इस चैम्पियनशिप में सोमवार को खेल अकादमी की खिलाड़ी कु. नीरू ढांडा ने रजत पदक और खिलाड़ी श्री ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रायफल में एक स्वर्ण और एक रजत पदक 10 नवंबर को हासिल किया था। चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक कुल 3 पदक प्राप्त किये हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरू ढांडा को पदक प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। प्रतियोगिता में चेक रिपब्लिक की जीना हार्डलीकोवा ने स्वर्ण और भारत की कीर्ति गुप्ता ने काँस्य पदक प्राप्त किया। नीरू ढांडा ने कुल 43 अंक अर्जित कर फायनल में रजत पदक प्राप्त किया। फायनल जीतने वाली चैक रिपब्लिक की खिलाड़ी ने 45 अंक अर्जित किये। कांस्य पदक प्राप्त करने वाली कीर्ति गुप्ता ने 32 अंक अर्जित किये। ऑल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप का आयोजन 6 से 10 नवंबर तक जम्मू में किया गया। इस चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए टीम इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त किया। खेल अकादमी के फेंसिंग खिलाड़ी खुशी दभाड़े, प्रज्ञा सिंह, अंजलि बाथरे और अंजू परिहार ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए ईपी महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने खेल अकादमी के सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

मुकुंदपुर टाइगर सफारी में उपचार के दौरान तेंदुए की हुई मृत्यु

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के तेंदुए द्वारा मानपुर क्षेत्र में 11 लोगों पर हमला कर उन्हें घायल करने पर रविवार को टाइगर का रेस्क्यू किया गया। पार्क की टीम द्वारा उसके स्वभाव का अध्ययन करने और बेहतर उपचार के लिये रेस्क्यू कर मुकुंदपुर टाइगर सफारी ले जाया गया। अपर प्रधान मुख्य संरक्षक (वन्यजीव) श्री एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि वन्य-जीव चिकित्सकों द्वारा किये जा रहे उपचार के दौरान सोमवार सुबह तेंदुए की मृत्यु हो गई।

30 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को मिली 1 रूपए प्रति यूनिट बिजली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार अटल गृह ज्योति योजना का पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को लाभान्वित किया जा रहा है। दस नवंबर की स्थिति में पिछले बिल माह के दौरान 30 लाख 55 हजार उपभोक्ताओं को योजना से लाभान्वित कर सौ यूनिट तक की बिजली एक रूपए यूनिट से उपलब्ध कराई गई है। उपभोक्ताओं को इससे एक माह में 151 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इंदौर रीजन के 8 एवं उज्जैन रीजन के 7 जिलों में अटल गृह ज्योति योजना का बेहतर संचालन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना में प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट में उपभोक्ताओं को दी जाती है। शेष बिल राशि शासन से सब्सिडी के रूप में कंपनी को मिलती हैं। पात्र उपभोक्ता को 550 रूपए से ज्यादा की अधिकतम सब्सिडी प्रति बिल प्राप्त होती है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इंदौर जिले में 4 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को योजना लाभ दिया गया है।

बच्चों के भविष्य निर्माण में आपका निर्णय महत्वपूर्ण - मंत्री निर्मला भूरिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल संरक्षण समिति के नव नियुक्त सदस्यों के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण समिति या किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों को कई अधिकार प्राप्त होते हैं। देखरेख एवं संरक्षण की जरुरत वाले बच्चों एवं विधि विवादित बच्चों के सम्बन्ध में आपके निर्णय बच्चों का भविष्य तय करते हैं। इसलिए बच्चों के सर्वोत्तम हित में न्यायोचित निर्णय लें, यही सभी से अपेक्षा है।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 एक व्यापक कानून है जो किशोरों की समृद्धि और विकास के लिए न्याय और अवसरों की व्यवस्था करता है। यह कानून बच्चों का सर्वोत्तम हित सुनिश्चित करता है और देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों एवं विधि विवादित बच्चों के मूलभूत मानव अधिकारों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वोत्तम हित में इस कानून को और किशोर न्याय प्रणाली के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा। सुश्री भूरिया ने कहा कि आप सभी को बच्चों के कल्याण और संरक्षण का दायित्व सौंपा जा रहा है, उसका निर्वहन आप ही कर सकते हैं, कोई और यह नहीं कर सकता, इसलिए आप अपना कार्य पूरी तन्मयता और सतर्कता के साथ करें।

कार्यक्रम में विभागीय आयुक्त श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने भी प्रतिभागियों को संबोधित कर किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के प्रति पर्याप्त समझ विकसित कर पूरी संवेदनशीलता के साथ बच्चों के पुनर्वास से सम्बंधित निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम एवं नियम, दत्तक ग्रहण विनियम, मिशन वात्सल्य दिशा निर्देश, बाल संरक्षण हेतु केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे ङ्क पी एम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम, मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना आदि के क्रियान्वयन हेतु बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड की भूमिका के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रदेश के 17 जिलों में नव नियुक्त बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के 157 अध्यक्ष एवं सदस्य एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के 54 नवनियुक्त कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।

तीन लाख से अधिक वन अधिकार दावे मान्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन अधिकार अधिनियम 2006 का जनवरी 2008 से मध्यप्रदेश में सुचारू तरीके से क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 75 हजार 352 से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार दावे मान्य किये गये हैं। इसके अतिरिक्त 29 हजार 996 सामुदायिक वन अधिकार दावों को भी मान्यता प्रदान की गई है। वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त वन अधिकार दावों का निर्धारित पात्रता अनुसार समुचित विधिक प्रक्रिया से निराकरण किया जा रहा है। वन अधिकार अधिनियम में प्रदेश में अब तक 792 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में सम्परिवर्तन कर दिया गया है। इसके लिये संबंधित जिला कलेक्टर्स द्वारा विधिवत अधिसूचनाएं भी जारी कर दी गई हैं। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम के पोटेंशियल एरिया की मैपिंग के लिए प्रदेश के सभी जिलों का एफआरए एटलस भी तैयार कर लिया गया है। एफआरए एटलस की सहायता से सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन के सामुदायिक अधिकारों सहित अन्य जरूरी अधिकारों को भी कानूनी मान्यता देने की कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश में सभी वन अधिकार पत्र धारकों को विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। अब तक 55 हजार 357 वन अधिकार पत्र धारकों को कपिलधारा कूप, 58 हजार 796 को भूमि सुधार/मेंढ़-बंधान, 61 हजार 54 को पक्का आवास/प्रधानमंत्री आवास, 1 लाख 86 हजार 131 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ देकर 21 हजार 514 वन अधिकार पत्र धारकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना से भी जोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि वन अधिकार अधिनियम केन्द्र सरकार द्वारा 2006 में लागू किया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। इसका उद्देश्य वन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदायों और अन्य पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसे अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों के अधिकारों को मान्यता देने के लिए लागू किया गया था। इसमें वन क्षेत्रों में रह रहे आदिवासी और अन्य परंपरागत वन निवासी अपने पुश्तैनी निवास और कृषि भूमि पर मालिकाना हक हासिल कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा शतरंज चैम्पियनशिप सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा शतरंज चैम्पियनशिप 2024 का समापन इंदौर पब्लिक स्कूल में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से आए सिविल सेवा अधिकारियों ने भाग लेकर अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। महिला वर्ग में शीर्ष स्थान पर निशाद मोनिका ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके बाद पद्मजा नायडू ने दूसरा स्थान और स्नेहलता नागेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इनके अतिरिक्त छाया हरदिया, वैशाली रामटेके और मंजू डोंगरे ने भी प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल प्रदर्शन करते हुए क्रमशः चौथा, पाँचवाँ, और छठवाँ स्थान हासिल किया। छह राउंड के बाद शेखर वर्मा 5.5 अंकों के साथ प्रथम, सिद्धार्थ जैन और दीपक चिवांडे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 अंकों के साथ क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस चैम्पियनशिप में बी.के.चौधरी, विवेकानंद यादव और अशोक तुरकिया ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और शीर्ष छह स्थानों में जगह बनाई।

यह सभी चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय सिविल सेवा शतरंज प्रतियोगिता 2024 में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस आयोजन में टूर्नामेंट डायरेक्टर के रूप में सुनील सोमानी तथा मुख्य निर्णायक के रूप में सौरभ सोनी ने अपनी अहम भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता ने राज्य में शतरंज के प्रति रुचि को बढ़ावा दिया और खेल संस्कृति को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर देवास कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता, अपर कलेक्टर भोपाल श्री सिद्धार्थ जैन, मध्यप्रदेश अड हॉक कमिटी के संयोजक अंतरराष्ट्रीय मास्टर अक्षत खमरिया, ओरिएंटल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर सुनील सोमानी, इंदौर शतरंज संघ के अनिल फतेहचंदानी एवं मंदसौर के नंदकिशोर जोशी उपस्थित रहे।

नॉलेज टॉक में ग्लोबल स्किल पार्क में एचवीएसी इंडस्ट्री के लिए ज्ञान का अनोखा संगम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संत शिरोमणी रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में आईएसएचआरएइ भोपाल चैप्टर के सहयोग से आयोजित नॉलेज टॉक और वर्कशॉप सीरीज़ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। एचवीएसी उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों से 140 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया, जिसमें आरएसी और एमइएस कोर्स के छात्रों के साथ-साथ अन्य तकनीकी पाठ्यक्रमों के प्रधान प्रशिक्षक, प्रशिक्षण अधिकारी, ओइएम और प्रमुख निर्माण कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर आईएसएचआरएइ भोपाल टीम के अध्यक्ष, चेयरमैन और अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस ज्ञानवर्धक सत्र में एचवीएसी (वीआरएफ) तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास और उद्योग तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने वीआरएफ सिस्टम के उपयोग, ऊर्जा दक्षता, आधुनिक सुविधाओं और अनुकूलन के तरीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिससे प्रतिभागियों को अपने कौशल को और अधिक निखारने तथा उद्योग में नई संभावनाओं को समझने का अवसर मिला। छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए यह एक विशेष मंच रहा, जहां उन्होंने विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया और उद्योग जगत के अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों के साथ नेटवर्किंग का मौका भी मिला। आईएसएचआरएइ और संत शिरोमणी रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के इस सहयोग से यह आयोजन एचवीएसी उद्योग के लिए एक अच्छा कदम है।

उल्लेखनीय है कि आईएसएचआरएइ, इंडियन सोसायटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एण्ड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स है। यह संस्था भारत में एचवीएसी एण्ड आर (हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीसनिंग एण्ड रेफोरिजिरेशन) उद्योग से जुड़े इंजीनियरों, विशेषज्ञों और पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करती है। आईएसएचआरएइ का उद्देश्य एचवीएसी एण्ड आर क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी जानकारी, शिक्षा, और मानकों को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे ज्ञान साझा कर सकें और उद्योग की उन्नति में योगदान दे सकें।

लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर महेश्वर में निमाड़ उत्सव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पश्चिम निमाड़ के खरगौन जिले के ऐतिहासिक एवं गौरवशाली प्रसिद्ध पर्यटन स्थल महेश्वर में लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर कार्तिक पूर्णिमा से निमाड़ उत्सव का आयोजन होगा। यह 15 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024 तक होगा। इस आयोजन को भव्य बनाने एवं इसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। नवम्बर में आयोजित तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव में प्रतिदिन सायं 07 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन प्रातः 8ः30 बजे से नर्मदा रिसोर्ट सभागार में संगोष्ठी का आयोजन होगा। तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव का शुभारंभ 15 नवंबर को उज्जैन के श्री दिनेश शर्मा एवं सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री सुदेश भोसले द्वारा मां नर्मदा की सांगीतिक आरती के साथ होगा। इस दौरान सांयकाल में सुगम संगीत की प्रस्तुति मुम्बई के सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री सुदेश भोसले एवं उनके साथियों द्वारा दी जाएगी। शनिवार 16 नवंबर को सायं 07 बजे निमाड़ी गायन अंतर्गत लोककण्ठ की प्रस्तुति मनीषा शास्त्री, राखी बांके, सोनाली ढाकसे, विकास शुक्ला एवं साथी कलाकारों द्वारा दी जाएगी। गणगौर नृत्य की प्रस्तुति खण्डवा की साधना उपाध्याय एवं साथियों द्वारा, बैगा जनजाति के करमा नृत्य की प्रस्तुति डिण्डोरी के दयाराम एवं साथियों द्वारा, छाऊ नृत्य की प्रस्तुति रांची की सृष्टिघर महतो व साथी कलाकारों द्वारा, भांगड़ा और मलवाई गिद्दा नृत्य की प्रस्तुति पटियाला के श्री मनेन्द्र सिंह व साथी कलाकारों द्वारा तथा गोटीपुआ नृत्य की प्रस्तुति उड़ीसा की चन्द्रमणि प्रधान व साथी कलाकारों द्वारा दी जाएगी। रविवार 17 नवंबर को काठी नृत्य की प्रस्तुति हरसूद के रामदास साकल्ले एवं साथियों द्वारा, गुटुमबाजा नृत्य की प्रस्तुति डिण्डोरी के लेखपाल धुर्वे एवं साथियों द्वारा दी जाएगी।

निश्चित समायावधि में नागरिक सेवाओं की कानूनी गारंटी देने वाला देश का पहला राज्य है मध्यप्रदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नागरिकों को अधिसूचित सेवाएँ प्रदाय करने की कानूनी गारंटी देने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। प्रदेश में 25 सितम्बर 2010 से लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम प्रभावशील है। वर्तमान में अधिनियम अंतर्गत 748 सेवाएँ अधिसूचित की जा चूंकि है। इन सेवाओं में लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से नागरिकों के लिए 342 सेवाएँ ऑनलाईन प्रदाय की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुशासन के लिए संकल्पबद्ध मध्यप्रदेश सरकार ने प्रशासन को जनोन्मुखी बनाया हैं। नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समाधान एक दिन तत्काल सेवा, सीएम हेल्पलाईन 181 कॉल सेन्टर, महिला हेल्पलाईन, सीएम जन सेवा, दिव्यांग हेल्पलाईन आदि का क्रियान्वयन जनोन्मुखी प्रशासन के गवाही देते है। मध्यप्रदेश सरकार ने नागरिक अधिकारों को सशक्त बनाने और सेवा प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए सुशासन की दिशा में समय-समय पर अनेक कदम उठाएँ है। मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 के बेहतर क्रियान्वयन के लिए पृथक से लोक सेवा प्रबंधन विभाग का गठन किया गया। वर्ष 2013 में राज्य लोक सेवा अभिकरण की स्थापना की गई। राज्य लोक सेवा अभिकरण में लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के साथ-साथ लोक सेवा केन्द्रों की स्थाना और संचालन का सीएम हेल्पलाईन कॉल सेंटर का संचालन और सीएम डेशबोर्ड का संचालन भी शामिल है। लोकसेवा केन्द्रों के माध्यम से नगारिकों को एक समयावधि में सेवाएँ प्रदाय करने के लिए सभी तहसीलों में 439 लोकसेवा केन्द्रों की स्थापना की गई है, जिनके माध्यम से विभिन्न विभागों की अधिसूचित सेवाएँ नागरिकों को प्रदाय की जा रही हो। अधिनियम के अंतर्गत विभाग की अधिसूचित सेवा जाति प्रमाण पत्र प्रदाय अभियान के तहत लोकसेवा केन्द्रों द्वारा प्रदेश भर के स्कूलों के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने का अभियान सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान में अब तक लगभग 1 करोड़ 40 लाख डिजिटल हस्ताक्षरित रंगीन प्रमाण-पत्र प्रदान किए जा चुके है। प्रदेश में लोकसेवा गारंटी अंतर्गत अधिसूचित समस्त सेवाओं में 10 करोड़ 62 लाख आवेदनों का अब तक निराकरण किया जा चुका है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 अंतर्गत सेवाओं की प्रदाय की गारंटी हैं। प्रत्येक सेवा को प्रदाय करने की एक समयावधि भी तय की गई है। इसमें समय पर सेवा नहीं देने पर जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाने का प्रावधान भी है। अधिकारी वर्ग प्रतिदिन 250 रूपये से लेकर अधिकतम 5000 हजार रूपये तक की जुर्माना राशि जमा करने का प्रावधान है। नागरिकों को केवल एक दिन की समयावधि में सेवा उपलब्ध कराने की मंशा से मध्यप्रदेश शासन ने फरवरी 2018 में समाधान एक दिन तत्काल सेवा व्यवस्था शुरू की।

इस व्यवस्था में आवेदक द्वारा दोपहर पूर्व तक दिए गए आवेदन का निराकरण दोपहर पश्चात कर दिया जाता है।

धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और बाजरा का 2625 रुपये प्रति क्विंटल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये है। इसी तरह ज्वार मालदण्डी का 3421 रूपये, ज्वार हाईब्रिड का 3371 रूपये और बाजरा का समर्थन मूल्य 2625 रुपये है। किसानों की एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि ज्वार एवं बाजरा का उपार्जन 22 नवम्बर से 20 दिसम्बर तक और धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा। भारत सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 45 लाख मीट्रिक टन, बाजरा की 3 लाख मीट्रिक टन और ज्वार की 50 हजार मीट्रिक टन की जायेगी। गोदाम स्तर पर खाद्यान्न की गुणवत्ता का परीक्षण उपार्जन एजेंसी के गुणवत्ता सर्वेयर द्वारा स्टेक लगाने के पहले किया जायेगा। परिवहनकर्ता द्वारा समय-सीमा में उपार्जित खाद्यान्न का परिवहन नहीं करने पर पेनाल्टी की व्यवस्था साप्ताहिक रूप से की जायेगी।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से उपार्जन केन्द्र पर लायी जाने वाली उपज की अवैध बिक्री को रोकने के लिये समुचित कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं।पंजीयन एवं उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिये जिले में एक तकनीकी सेल का गठन किया जायेगा। राज्य स्तर पर भी तकनीकी सेल का गठन किया जायेगा। जिला स्तरीय समिति उपार्जन संबंधी सभी विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित खाद्यान्न की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। राज्य स्तर पर एक कंट्रोल-रूम भी स्थापित किया जायेगा। इसका टेलीफोन नम्बर 0755-2551471 रहेगा।

खुले में फेंका जा रहा बायो मेडिकल वेस्ट

सिर्फ दिखावा बन कर रह गया कचरा संग्रहण वाहन एवं सर्टिफिकेट

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के कई अस्पतालों, पैथोलाजी केंद्रों, मेडिकल स्टोर एवं अवैध झोलाछाप चिकित्सकों के क्लीनिकों से प्रतिदिन निकलने वालो खतरनाक जैव चिकित्सीय कचरे का निस्तारण सीधी के लिये सबसे बड़ी चुनौती बन कर उभर रही है। वर्तमान में यहां के ज्यादातर अस्पताल, पैथोलॉजी केंद्र तथा मेडिकल स्टोर संचालक अपने जैव चिकित्सीय कचरे जैसे खून की खाली थैलियां, यूज्ड सीरिंज, यूज्ड ब्लेड, एक्सपायरी दवाएं, उपयोग की जा चुकी बैंडेज, मानव शरीर के अपशिष्ट आदि के अलावा अन्य खतरनाक कचरे को यत्र.तत्र सड़क पर ही फेंक दे रहे हैं। उक्त कचरे से न केवल वायु तथा जल से संक्रमण फैलने का खतरा है बल्कि कचरा चुनने वाले लोगों, नगर परिषद के सफाई कर्मियों तथा आवारा जानवरों के लिए भी बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। जबकि शासन के उक्त समस्या के निदान हेतु इंडो वाटर मैनेजमेंट एण्ड पॅलूशन कॅन्ट्रोल कॉर्पोरेशन सतना को उक्त कचरा संग्रहण का दायित्व सौंपा गया था, साथ ही कचरा उठाने के बाद प्रमाण पत्र देने की भी अनिवार्यता रखी थी। जबकि वर्तमान में उक्त कार्य महज दिखावे तक ही सीमित हो कर रह गया और लोग इधर उधर खतरनाक कचरे को फेंक रहे हैं। जिससे घातक बीमारी फैलने का भय लोगों को सता रहा है।

बाक्सनियमो की अवहेलना करने पर सील करने का प्रावधान - जानकारों की माने तो जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 व 2018 के अनुसार इस प्रकार के कचरा उत्पादन करने वालों को निर्धारित एजेंसियों की मदद से सशुल्क निपटान अपने स्तर से करवाना आवश्यक है। नियम का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों, जांच केंद्रों, लैब तथा मेडिकल स्टोर आदि को जुर्माना करने के साथ साथ सील करने जैसी कठोर कार्रवाई का भी प्रावधान निहित है।

सिर्फ दिखावे तक सीमित बायो वेस्ट सर्टिफि केट - बायो वेस्ट यानी मेडिकल कचरे के निस्तारण की जांच में ही गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। बायो कचरा कैसे उठता है और इसे नष्ट करने की क्या व्यवस्था है, यह मेन प्वाइंट ही जबाबदेह अधिकारी कर्मचारी भूल चुके हैं। जिस फर्म के पास इसके निस्तारण का कांट्रेक्ट है, उसके वाहन वर्तमान में सतना से सीधी आ ही नही रहे हैं। कागजी कार्रवाई करते हुए सिर्फ ये सर्टिफि केट थमा रहे हैं। एक चिकित्सा अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया है कि जिस कंपनी से बायो मेडिकल कचरे को नष्ट करने का समझौता किया गया था, उसके पास समुचित व्यवस्था ही नहीं थी। जिसके चलते नए व्यक्ति को टेंडर देने की बात चल रही है। वहीं चिकित्सा सेवा से जुडे कई लापरवाह व्यक्ति अपने संस्थान से निकलने वाले कचरे को खुले में फेंक कर प्रदूषण अलग से फैल रहे हैं। ऐसे में जांच के नाम पर कागजी खानापूर्ति हो रही है।

धान तस्करों पर कार्रवाई

दो गाड़ियों से 128 बोरी अवैध धान बरामद, 17 हजार रुपए जुर्माना लगाया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर के पास मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली सीमा पर अवैध धान ले जाने वाले वाहनों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने दो गाड़ियों पर कार्रवाई की। दोनों गाड़ियों से 17,065 रुपए जुर्माना वसूला गया।

छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर पुलिस करती है जांच: बता दें कि अनूपपुर से बड़े पैमाने पर सस्ते धान खरीद कर छत्तीसगढ़ में बेचा जाता है। छत्तीसगढ़ के शासकीय सोसायटी में धान महंगे दामों पर बिकते हैं। जिसे रोकने के लिए कलेक्टर ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर जांच नाका बनाया हुआ है।

अनूपपुर, मुंडा में जांच के दौरान कार्रवाई: ये कार्रवाई जिले के बरबसपुर अनूपपुर के पास केशवाही (शहडोल) से अनूपपुर जा रहे गाड़ी पर की गई। जांच के दौरान 60 बोरी धान अवैध तरीके से ले जाते पकड़ा गया। जिस पर अनूपपुर मंडी में 8312 रुपए का जुर्माना जमा कराया गया। वहीं, दूसरी कार्रवाई मुंडा (जैतहरी) के पास पिकअप में वेंकटनगर से छत्तीसगढ़ के लिए 68 बोरी धान अवैध तरीके से ले जाते पकड़ा गया। जिस पर जैतहरी मंडी में 8753 रुपए का जुर्माना जमा कराया गया। इस तरह दोनों गाड़ियों से करीब 17 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया।

दसवीं का रिजल्ट सुधारने शिक्षकों को ट्रेनिंग

60 मास्टर ट्रेनर ने एक हजार 66 शिक्षकों को सिखाए बच्चों को समझाने के तरीके

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के शासकीय हाई व हायर सेकंडरी स्कूलों का परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार सुबह 10 से शाम 5 बजे तक उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षकों को ट्रेनिंग दी गई, ताकि शिक्षक कमजोर छात्रों पर फोकस कर सकें।

एपीसी डॉ. सुजीत मिश्र ने बताया कि 10 नवंबर को उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में 9वीं एवं 10वीं में पढ़ाने वाले हिंदी विषय के 178, अंग्रेजी विषय के 159, संस्कृत विषय के 154, गणित विषय के 180, विज्ञान के 187, सामाजिक विज्ञान के 193, कुल 1066 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। 60 मास्टर ट्रेनर ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। शिक्षकों को टैबलेट का उपयोग करने, नेशनल अचीवमेंट सर्वे, स्कूल एनोवेशन मैराथन में पंजीयन की जानकारी भी दी गई।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रेमलाल मिश्रा ने बताया कि ट्रेनिंग में अध्यापकों को अध्यापन की नई-नई तकनीक बताई गई। पिछले माह पढ़ाए अध्याय एवं पढ़ाने में आई समस्याओं का निराकरण किया गया। नवंबर में पढ़ाए जाने वाले अध्याय में विशेष रूप कठिन कॉन्सेप्ट को चिह्नित कर उन्हें सरल रूप में कैसे प्रस्तुत किया जाए, यह बताया गया। विद्यार्थियों को अच्छी तरह से विषय समझाने के लिए अध्यापन की विधियों का प्रयोग करना भी बताया गया, ताकि स्टूडेंट्स के मन में कोई कन्फ्यूजन न रहे।

बेस्ट ऑफ फाइव पॉलिसी समाप्त: गौरतलब है कि इस साल 10वीं में बेस्ट ऑफ फाइव पॉलिसी समाप्त कर दी गई है। पहले 6 में से 5 विषय में पास होने पर उत्तीर्ण मान लिया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सभी 6 विषय पास करना होंगे। पहले बेस्ट ऑफ फाइव पॉलिसी के कारण विद्यार्थी कमजोर विषय पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. पीएल मिश्रा, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एसएन त्रिपाठी, एडीपीसी प्रवीण शुक्ला ने प्रशिक्षण का अवलोकन किया।

मनाई गई देवउठनी एकादशी, जुगलकिशोर मंदिर में पुजारियों ने करवाया माता तुलसी का विवाह

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना में देवउठनी एकादशी मंगलवार को मनाई जा रही है। आज के दिन तुलसी विवाह की पूजा होती है। पन्ना जिले के श्री जुगल किशोर मंदिर में तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारियों ने विधि-विधान के साथ शालिग्राम, तुलसी विवाह करवाया और महाआरती कर देवउठनी एकादशी मनाई।

दरअसल देवउठनी एकादशी को भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के साथ माता तुलसी का विवाह किया जाता है। मान्यता है कि तुलसी विवाह करना बहुत ही शुभ होता है। जिससे परिवार में सुख, शांति-समृद्धि आती है। वहीं आज के दिन बुंदेलखंड के लोग अपने अपने कुल(परिवार)में पूज्य देवी देवताओं की पूजा-अर्चना करते हैं। कहते हैं कि साल भर में एकादशी के दिन अपने देवी-देवताओं की पूजा करने से वह प्रसन्न होते हैं। साल भर परिवार के लोगों पर उनकी कृपा बनी रहती है।

पिता को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

बोला- बचपन में मुझे मारता था, बड़ा हुआ तो पसंद की लड़की से शादी भी नहीं कराई

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के गढ़ीमलहरा में सोमवार रात को एक युवक ने डंडे से पीट-पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। मृतक के छोटे बेटे ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें, कि आरोपी हाल ही में हत्या के एक मामले में 14 साल बाद जेल से बाहर आया है।

शुरुआती पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि पिता उसे बचपन में पीटता था। पसंद की लड़की उसकी शादी भी नहीं कराई। इस बात को लेकर उसे नाराजगी थी, इसीलिए वारदात को अंजाम दिया।

हत्या कर शव को मवेशियों के बाड़े में फेंका: गढ़ीमलहरा के वार्ड नंबर 12 स्थित चतुर्भुज मोहल्ला निवासी पूरन रैकवार (65) की सोमवार रात 11 बजे उसके बेटे नरेन्द्र रैकवार ने डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को मवेशियों के बाड़े में फेंक दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी नरेन्द्र सुबह 7 बजे पिता की टैक्सी लेकर बाजार में घूम रहा था, जहां छोटे भाई भगवानचरण रैकवार ने उसे देख लिया।

पिता अपनी टैक्सी नहीं देते थे, इससे शक हुआ: भगवानचरण ने बताया कि उसके पिता किसी को भी अपनी टैक्सी नहीं देते थे। जिससे उसको अपने भाई नरेन्द्र पर शक हुआ। इसके बाद उसने पिता को फोन लगाया। कई बार फोन लगाने के बाद भी जब कॉल रिसीव नहीं उठा तो वह घर पहुंचा, जहां उसे पिता का खून से लथपथ शव पड़ा मिला।

इसके बाद भगवानचरण ने पुलिस को फोन लगाकर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही नौगांव एसडीओपी चंचलेश मरकाम और गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी सुरभि शर्मा पुलिस बल, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।

भाई बोला- अक्सर डंडा लेकर घूमा करता था: शव को कब्जे में लेने के बाद पुलिस ने आरोपी नरेन्द्र रैकवार को लुगासी रोड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि 15 साल पहले काली माता मंदिर से घंटा चोरी करने के बाद आरोपी का पुजारी से विवाद हुआ था। जिसमें नरेंद्र ने पुजारी की हत्या कर दी थी। वो तीन महीने पहले ही इस मामले में सजा काटकर जेल से बाहर आया है। पुजारी के मर्डर के बाद नरेंद्र की पत्नी बच्ची को लेकर मायके चली गई थी। उसके बाद से वह मायके में रह रही है। भगवानचरण ने बताया कि उसका भाई नरेन्द्र सनकी प्रवृत्ति का है और अक्सर डंडा लेकर घूमा करता था। जिस कारण लोग उससे डरते थे। इससे पहले घटना की अशंका को लेकर थाने सहित एसपी ऑफिस में शिकायत भी की थी।

प्रभारी मंत्री का सीधी दौरा कार्यक्रम जारी, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की करेंगे समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं प्रभारी मंत्री जिला सीधी दिलीप जायसवाल 13 नवंबर 2024 को दोपहर 12.30 बजे सर्किट हाउस सीधी पहुंचेंगे। प्रभारी मंत्री जायसवाल दोपहर 02 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में समस्त विभागों के योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके पश्चात सायं 6 बजे सर्किट हाउस सीधी में जनप्रतिनिधि एवं जन सामान्य से भेंट करेंगे। रात्रि 7.30 बजे रोली मेमोरियल ट्रस्ट सभागार सीधी में अपाक्स अधिकारी कर्मचारी संगठन द्वारा अभिनंदन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। प्रभारी मंत्री बुधवार को सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

एक साल में बदले पांच कमिश्नर, सीएम के दौरे से 3 दिन पहले फिर हटाए गए शुक्ल, एक दिन पहले छुट्टी से लौटे थे

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल में बीते एक साल में 5 कमिश्नर बदले जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संभावित दौरे के 3 दिन पहले एक बार फिर शहडोल कमिश्नर को बदल दिया गया है। 2 महीने 23 दिन पहले श्रीमन शुक्ल ने बतौर कमिश्नर शहडोल संभाग ज्वाइन किया था। देर रात एक बार फिर उनका तबादला कर दिया गया। कमिश्नर श्रीमन शुक्ल के पिता का देहांत हो गया था जिस कारण वे लंबी छुट्टी से 11 नवंबर को ही वापस लौटे थे। सरकार ने उनकी जगह अब चिकित्सा शिक्षा विभाग की सचिव सुरभि गुप्ता को शहडोल का नया कमिश्नर बनाया गया है। सीएम के दौरे से पहले कमिश्नर के तबादले को लेकर अब राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है।

2 महीने 23 दिन बाद हुआ तबादला: प्रदेश के कद्दावर भाजपा नेता और पूर्व गृह मंत्री के दामाद कहे जाने वाले आईएएस श्रीमन शुक्ल सिर्फ 2 माह 23 दिन ही शहडोल में कमिश्नरी कर पाए। 11 नवंबर को ज्वाइन करते ही कमिश्नर शुक्ल 15 नवंबर को सीएम और राज्यपाल के दौरे की तैयारियों में जुट गए थे। उन्होंने कलेक्ट्रेट में एक बड़ी बैठक का आयोजन भी किया। इसी रात उनके तबादले की सूची सामने आ गई।

तालमेल नहीं बैठना बनी बड़ी वजह: कमिश्नर पुक्ल के तबादले के पीछे सबसे बड़ी वजत तालमेल को लेकर बताया जा रहा है। तेजतर्रार स्वभाव के आईएएस अफसर श्रीमन शुक्ल का तालमेल स्थानीय विधायकों के अलावा नेताओं से नहीं बैठ पा रहा था। डिप्टी सीएम और प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल भी कमिश्नर के काम से ज्यादा संतुष्ट नहीं थे। वहीं उनकी कड़क मिजाजी से तीनों जिलों के अफसरों को भी समन्वय बनाने में दिक्कतें आ रहीं थीं। माना जा रहा है इन्हीं सब समस्याओं के चलते शहडोल को नया कमिश्नर दिया गया है। उनसे पहले शहडोल में 16 मार्च 2024 को बतौर कमिश्नर बाबू सिंह जामोद ने ज्वाइन किया था। कमिश्नर जामोद की कार्यशैली से शहडोल संभाग में बदलाव दिखने लगा था। सांसद, विधायक समेत सत्ता संगठन के नेता भी बीएस जामोद की कार्यशैली की तारीफ करने लगे। इसी बीच डिप्टी सीएम और शहडोल के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल की पसंद पर बीएस जामोद को रीवा का कमिश्नर बना दिया गया। उन्हें शहडोल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। जामोद भी सिर्फ 3 महीने शहडोल में पदस्थ रहे, 2 महीने शहडोल के अतिरिक्त प्रभार में बतौर कमिश्नर रहे। इस प्रकार 16 मार्च 2024 से 21 अगस्त 2024 सिर्फ 5 माह 7 दिन तक जामोद शहडोल कमिश्नर रहे।

5 माह में बदल गए थे 2 कमिश्नर: कमिश्नर बाबू सिंह जामोद के शहडोल ज्वाइन करने से पहले 5 माह 7 दिन के भीतर 2 कमिश्नर का तबादला हो चुका था। 8 जनवरी 2024 को गोपाल चंद्र डांड को शहडोल भेजा गया लेकिन 2 महीने 8 दिन बाद 15 मार्च 2024 को उन्हें भी शहडोल से हटा दिया गया। इनसे पहले 4 अक्टूबर 2023 को अनिल सुचारी को कमिश्नर बनाया गया और 3 माह 5 दिन बाद उन्हें भी हटा दिया गया। इस प्रकार 5 माह में दो कमिश्नर की पोस्टिंग उन्हें बदला गया।

दिसंबर माह में आयोजित होगा नेशनल अचीवमेंट सर्वे

कक्षा 3, 6 और 9 के विद्यार्थी होंगे शामिल

तैयारी हेतु प्राचार्यों की आयोजित हुई बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राष्ट्रीय परख सर्वेक्षण 2024 को ध्यान में रखते हुये जिला शिक्षा अधिकारी सीधी डॉ पी.एल. मिश्रा द्वारा समस्त प्राचार्यों और बी.आर.सी.सी. की बैठक गत दिवस शा.उ.मा.वि. क्र-2 सीधी में आयोजित की गई। बैठक में नेशनल अचीवमेंट सर्वे की पूर्व तैयारी हेतु शालाओं को उपलब्ध कराये गये मॉक टेस्ट के माड्यूल एक और दो पर किये गये कार्य विद्यार्थी को ओ.एम आर.शीट भरने हेतु प्राचार्यों का उन्मुखीकरण भी किया गया। एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2021 में हुए नेशनल अचीवमेंट सर्वे में सीधी जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहा। इस वर्ष भी जिले का स्तर सम्मानजनक हो इसके लिये छात्र उपस्थिति बढ़ाते हुये बार-बार अभ्यास कार्य एवं मांक टेस्ट करने हेतु प्राचार्यों को निर्देश दिये गये।

बैठक में प्राचार्यों को स्कूल एनोवेशन मैराथन हेतु शिक्षकों का पंजियन एवं विद्यार्थियों की टीम बनाकर पोर्टल में इनोवेटिव आइडिया अपलोड करने के भी निर्देश दिये गये। 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम का लक्ष्य लेकर आगामी परीक्षा तक प्राचार्य मेहनत करें। नियमित रूप से रेमेडियल कक्षा और आवश्यकता पड़ने पर अवकाश दिनों में भी अतिरिक्त कक्षायें संचालित करें। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी शिक्षक समर्पण के साथ मेहनत करें। एक भारत श्रेष्ठ भारत, ओजस यूथ क्लब, कल्चरल ट्विनिंग एवं जादू नही विज्ञान की गतिविधि नवम्बर 2024 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। बैठक में भोपाल से आये सतीश भाटी, डायट प्राचार्य एच केरकेट्टा, डी.पी.सी. राजेश तिवारी, सहायक आयुक्त डॉ डी.के. द्विवेदी, आदित्य पाण्डेय, रामकृष्ण तिवारी, समस्त बी.आर.सी.सी. उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 145 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

बबलू सिंह को मिली ट्राइसाइकिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 145 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत सीधी के ग्राम मड़वा से आये बबलू सिंह ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि लकवा के कारण वह चलने में असक्षम है। उन्हें घर में या कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। उन्होने कहा कि यदि उन्हें ट्राई साइकिल प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगे और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि पहले एक बार ट्राई सायकिल प्राप्त हुई थी लेकिन अब वह चलने लायक नहीं है। आवेदक की शारीरिक स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा उन्हें सहायक उपकरण प्रदान कराए। आज समस्या का त्वरित निराकरण होने पर बबलू सिंह खुश और संतुष्ट दिखे।

जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

सचिव ने अंत्येष्टि की राशि डकारी

5 माह पहले हुई थी पति की मौत, सीईओ ने जांच के बाद रिपोर्ट जिला मुख्यालय भेजी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के ग्राम भदौरा में 5 माह पहले राजेश जायसवाल की मौत हो गई थी। जिसकी मौत के बाद अंत्येष्टि सहायता राशि 5 हजार देने थी। लेकिन उस राशि को सचिव ने निकालकर उसे अपने निजी कार्य के लिए उपयोग कर लिया।

मृतक के परिजनों को अभी तक कोई भी राशि नहीं दी गई है। जबकि वह राशि कफन और दाह संस्कार के लिए मिलती है। लेकिन उस कफन के पैसे का उपयोग अब तक मृतक के परिजन नहीं कर पाए। क्योंकि उन्हें राशि नसीब ही नहीं हुई।

मृतक की पत्नी प्रेमवती जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि मेरे पति की मौत 5 महीने पहले हो गई थी। जब मैं अंत्येष्टि सहायता की राशि सचिव हिंचलाल सिह से मांगी तब उन्होंने कहा कि राशि नहीं मिलेगी। जिसकी शिकायत मैंने वरिष्ठ अधिकारियों से भी की है। लेकिन अभी तक मुझे उस राशि का भुगतान नहीं हुआ है।

सचिव के खिलाफ मिली हैं शिकायतें: इस मामले में जनपद पंचायत कुसमी सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया है कि ग्राम भदौरा के सचिव के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं और इस संबंध में भी शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायतों की जांच हमने कर ली है और कार्रवाई प्रतिवेदन भेज दिया है। जिला मुख्यालय की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

विचार

योगी आदित्यनाथ सपा प्रमुख के खिलाफ ऐसे बुन रहे हैं सियासी जाल

भारतीय जनता पार्टी के नेता और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल समाजवादी पार्टी को हिंदुत्व के नाम पर तो घेर ही रहे हैं इसके अलावा अखिलेश राज में फैली अराजकता, जंगलराज, उनके कार्यकाल में हुए दंगों की भी याद जनता को दिला रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि अखिलेश को चौतरफा घेरने की तैयारी चल रही है।हरियाणा वाला जादू यूपी में चल गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिये आगे की सियासी राह मुश्किल हो जायेगी। उप चुनाव में बीजेपी और योगी की यह रणनीति सफल रही तो इसका उप चुनाव में तो पार्टी को फायदा होगा ही 2027 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव के लिये भी इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। दरअसल, योगी और अन्य बीजेपी के नेता उप चुनाव को 2027 के चुनाव का रिहर्सल मानकर चल रहे हैं, उप चुनाव के नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो लोकसभा चुनाव से उत्साहित अखिलेश बैकफुट पर आ सकते हैं। उधर, बीजेपी का लोकसभा चुनाव के नतीजों का गम भी काफी कम हो जायेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर योगी अपनी रैलियों में लगातार सपा सरकार के समय के गुंडाराज, समाजवादी पार्टी के नेतृत्व व नेताओं की आपराधिक की परतें उधेड़ रहे हैं। वह अंबेडकरनगर की कटेहरी, मीरजापुर की मझवां और प्रयागराज की फूलपुर या अन्य विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में समाजवादी पार्टी को जहां अपराधी, दुष्कर्मी, माफिया का प्रोडक्शन हाउस बता रहे हैं, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसका सीईओ और पार्टी महासचिव शिवपाल यादव को ट्रेनर करार दे रहे हैं। सपा के पीडीए के नारे की अपने हिसाब से व्याख्या करते हुए योगी पीडीए का अर्थ है 'प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी' बताते हैं। वह कहते हैं कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। इसी के साथ योगी बार-बार याद दिलाते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, इसलिए एकजुट रहिए।भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद के समर्थन में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने यहां तक कहा कि कांग्रेस-सपा वाले महापुरुषों का सम्मान नहीं करते हैं। एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को जब राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था।योगी बताते हैं कि एससी-एसटी पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुए।

बाकू सम्मेलन अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पायेगा

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु समेलन कॉप-29 11 अटूबर सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे।

सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, 'अल नीनो' व 'ला नीना' के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। इस बीच एक नए अध्ययन में पूर्वी यूरोप के 10 ऐसे देशों की पहचान की गई है, जो भविष्य में तापमान वृद्धि से सबसे अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करेंगे। ऐसे में पूरी दुनिया की निगाहें जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में होने वाली चर्चाओं, फैसलों और नतीजों पर टिकी हैं।

कॉप-29 सम्मेलन को पर्यावरण समस्याओं, चुनौतियों एवं बदलते मौसम के मिजाज को संतुलित करने के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन से दुनिया ने उम्मीदें लगा रखी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों के सामने सबसे प्रमुख अवरोध वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। इसीलिये जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर बाकू सम्मेलन कॉप-29 में चर्चा का विषय बन रहा है।

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। विकसित देशों की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं पर उदासीनता इसलिये भी सामने आ रही है कि विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं।

देखा जाए तो आज जीवन के हर पहलू पर जलवायु में आते बदलावों का असर साफ तौर पर नजर आने लगा है। लोगों का स्वास्थ्य भी इससे सुरक्षित नहीं है। बात चाहे आपदाओं के कारण जा रही जानों की हो या इसकी वजह से तेजी से पनपती बीमारियों की, जलवायु परिवर्तन रूप बदल-बदल कर लोगों के स्वास्थ्य पर आघात कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य पर मंडराते इस खतरे को कहीं ज्यादा संजीदगी से लेने की जरूरत है। बढ़ती गर्मी के प्रति चेतावनी, जीवाश्म ईंधन की सही कीमत का निर्धारण और घरों में ऊर्जा के साफ सुथरे साधनों का उपयोग सालाना 20 लाख लोगों की जान बचा सकता है। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी देशों से जीवाश्म ईंधन से अपना नाता तोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही सरकारों से आम लोगों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के काबिल बनाने में मदद करने की वकालत की है।

कॉप-29 से ठीक पहले जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर जारी अपनी विशेष रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक नेताओं से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य को अलग-अलग मुद्दों के रूप में देखना बंद करने का आग्रह किया है। ताकि न केवल लोगों के जीवन को बचाया जा सके, साथ ही मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से भी ज्यादा संगठनों और 300 विशेषज्ञों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कॉप-29 पर यह विशेष रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में तीन प्रमुख क्षेत्रों लोग, क्षेत्र और ग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 360 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जो जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यह वो क्षेत्र हैं जहां खतरा बहुत ज्यादा है। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए ऐसी स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करना जरूरी है जो जलवायु में आते बदलावों का सामना कर सकें और मुश्किल समय में भी लोगों के प्राणों की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों का मेल मानव प्रगति एवं आदर्श विश्व संरचना के लिए बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। भारत के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित 11 ऐसे देश हैं जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में हैं। ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर धरती की हालत 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली है।

जिम्मेदारी से बचने के लिए फारूख अब्दुल्ला ने छोड़ा शगूफा

योगेंद्र योगी

जम्मू-कश्मीर में सत्तारुढ़ नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने आतंकवादी घटनाओं पर एक आश्चर्यजनक बयान दिया है। अब्दुल्ला ने बडगाम, बांदीपुरा में और श्रीनगर में आतंकी घटनाओं को लेकर कहा है कि इसमें उन्हें साजिश की बू आती है। उन्होंने कहा कि क्या कोई एजेंसिया तो नहीं है इन हमलों के पीछे जो उमर अब्दुल्ला सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। अनुभवी राजनेजा फारूक के इस बयान से फरेबी मासूमियत झलकती है। एक ऐसा शख्स जिसने पूरा जीवन राजनीतिक के दावपेच में बिताया और वोट बैंक के भय से खुल कर कभी भी आतंकियों और पाकिस्तान की निंदा नहीं, वह सवाल उठा रहा है कि आतंकी घटनाओं की जांच हो कि इसमें कोई एजेंसियां तो शामिल नहीं हैं।

87 वर्षीय फारूक अब्दुल्ला करीब 50 से अधिक वर्षों से राजनीति में हैं। वे केंद्र में मंत्री और जम्मू-कश्मीर में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इतने अनुभवी राजनीतिज्ञ से ऐसे बचकाने बयान की उम्मीद नहीं की जा सकती। क्या अब्दुल्ला इतने भोले हैं कि उन्हें पता नहीं है कि ये हमले कौन और क्यों करवा रहा है। इससे पहले इन्हीं अब्दुल्ला ने हमले करवाने के लिए पाकिस्तान पर आरोप लगाया था और यहां तक कहा था कि जम्मू-कश्मीर कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। फिर अचानक ऐसा क्या हो गया कि सीनियर अब्दुल्ला को अब इन हमलों में पाकिस्तान के अलावा किसी ओर पर शक होने लगा है।

दरअसल फारूक अब्दुल्ला ने जब सत्ता संभाली थी तभी पिता-पुत्र को इस बात बखूबी अंदाजा था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को रोकना आसान काम नहीं हैं। सत्ता में आने से पहले दोनों ऐसी वारदातों का ठीकरा केंद्र पर फोडने में कसर बाकी नहीं रखी। हालांकि केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने इन्हें रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है। इस प्रयास में आम नागरिकों के अलावा सैकड़ों सुरक्षाकर्मी शहीद हो चुके हैं। तब अब्दुल्ला पिता-पुत्र ने यह सवाल नहीं उठाया है। इसके विपरीत इन आतंकी घटनाओं को नेशनल कांफ्रेंस की सरकार को अस्थिर करने के चश्मे से देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इन्हीं पिता-पुत्र ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद बड़ा हो-हल्ला मचाया था। यहां तक कि पिछले महीने हुए जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस के चुनावी घोषणा पत्र में इसे वापस लाने का वादा किया गया था।

पाकिस्तान को फारूक अब्दुल्ला ने ही भारत के मामलों में हस्तक्षेप करने का मौका दिया है। पाकिस्तान भी धारा 370 की बहाली की मांग करता आ रहा है। अब्दुल्ला और पाकिस्तान के सुर एक ही हैं। अब्दुल्ला ने यह मांग दोहरा कर एक तरह से पाकिस्तान की मांग का ही समर्थन किया है। जबकि यह सर्वविदित है कि इस धारा के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी की घटनाएं बंद हो गई हैं। विकास के कामों में जबरदस्त तेजी आई है। इस पर अब्दुल्ला पिता-पुत्र एक बार भी नहीं बोले। कारण साफ है, उस वक्त जम्मू-कश्मीर में केंद्र का शासन था। अब जब उनकी पार्टी सत्ता में है तो उन्हें आतंकी घटनाओं के पीछे साजिश नजर आ रही है।

अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकियों को मारने के बजाए जीवित पकडना चाहिए, ताकि पता लगाया जा सके कि वे किसके लिए काम करते हैं। फारूक

अब्दुल्ला से ऐसे बचकाने बयान की उम्मीद कदापि नहीं की जा सकती। फारूक को यह भी बताना चाहिए कि घातक हथियारों से लैस आतंकियों को कौन जीवित पकड़ेगा। जिस तरह का बयान फारूक अब्दुल्ला की तरफ से आया है दरअसल वह कहीं न कहीं सुरक्षा बलों और एजेंसियों के मनोबल को प्रभावित करेगा। फारूक ने शक की सुई इन्हीं पर उठाई है। अब जम्मू-कश्मीर के लोग इन आतंकी घटनाओं के लिए फारूक अब्दुल्ला सरकार पर वही सवाल उठा रहें हैं, जो सवाल पूर्व में ये केंद्र सरकार से करते रहे हैं। ऐसे में इनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। सर्वविदित है कि पाकिस्तान की बदनाम खुफिया एजेंसी आईएसआई ये हमले करवा रही है। यह बात फारूक अब्दुल्ला और उनके मुख्यमंत्री पुत्र भी अ%छी तरह से जानते हैं। आईएसआई का आतंकी को पालने-पोसने का लंबा इतिहास रहा है। जम्मू-कश्मीर पर सीमा पार पाकिस्तान में आतंकी कैम्प मौजूद हैं। भारत द्वारा की गई एयर स्ट्राइक इसकी गवाह है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आतंकियों को भर्ती करके न सिर्फ ट्रेनिंग देती हैं, बल्कि हथियार और रूपए भी मुहैया कराती हैं।

फारूक अब्दुल्ला भारत की विदेश नीति के मामले में हमेशा से हस्तक्षेप करते रहे हैं। अब्दुल्ला ने कई बार कहा है कि आतंकवाद और जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को लेकर भारत को पाकिस्तान से वार्ता करनी चाहिए। ऐसे बयानों ने पाकिस्तान को हौसले ही बढ़ाए हैं, यह जानते हुए भी कि पाकिस्तान कई बार भारत से हुई बातचीत के बावजूद सीमा पार से आतंकी भेजने की हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। मौजूदा मोदी सरकार ने पाकिस्तान से बातचीत बंद करके पूरी तरह अलग-थलग कर दिया है। इसकी पहल भी पाकिस्तान ने ही की थी।

इसका परिणाम यह हुआ कि पाकिस्तान लगभग भुखमरी के कगार पर आ पहुंचा है। पाकिस्तान दबे-छिपे तरीके से कई बार भारत से संबंध बहाल करने का प्रयास कर चुका है, किन्तु भारत की तरफ से उसे हर एक ही जवाब मिला है कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते।

फारूक अब्दुल्ला के इस शगुफे के दूसरे निहितार्थ भी हो सकते हैं। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कई बार कर चुके हैं। पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने पर उमर अब्दुल्ला सरकार को पुलिस प्रशासन की कमान मिल जाएगी।

इसके अलावा भी दूसरे अधिकार मिल जाएंगे। सवाल यही है कि जम्मू-कश्मीर में पुलिस और सेना मिलकर भी आतंकवादी पूरी तरह काबू नहीं कर पा रहे हैं, तब फारूक सरकार कानून-व्यवस्था कैसे संभाल पाएगी। इसके विपरीत संभावना इस बात की ज्यादा है कि पुलिस का अधिकार मिलने के बाद सिफारिश और सरकार के हस्तक्षेप करने से भेदभाव की घटनाएं होंगी।

प्राइवेट मैदान की खुदाई कर शुरू किया तालाब निर्माण

शराब कारोबारी ने तालाब को बनाया मैदान, मूलस्वरूप में लाने चला जिला प्रशासन का बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के शराब कारोबारी के तालाब की जमीन को पाटकर मैदान बनाने पर बड़ा एक्शन लिया है। जिला प्रशासन की टीम ने बुलडोजर चलवाकर प्राइवेट जमीन पर तालाब निर्माण शुरू कर दिया है। दरअसल, मामला सामने आने पर कलेक्टर ने शराब कारोबारी को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर तालाब को मूलस्वरूप में लाने की चेतावनी दी थी। साथ ही ऐसा नहीं करने पर प्रशासन खुद तालाब को मूल स्वरूप में लाने की कार्रवाई करने और पूरा खर्च भू-स्वामी से वसूलने की भी चेतावनी दी थी।

दरअसल, सरकंडा के चांटीडीह पटवारी हल्का नंबर 33 स्थित भूमि को अमोलक सिंह भाटिया पिता हरवंश सिंह भाटिया, उनके भाई गुरमित सिंह पिता हरवंश सिंह भाटिया, गुरु शरण सिंह पिता सुरजीत सिंह ने खरीदी थी,तब 50 डिसमिल यह भूमि तालाब के रूप में था। जिसे खरीदने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे कर मिट्टी की पटाई करा दिया।

जिससे तालाब समतल मैदान बन गया। इसकी शिकायत लोगों ने जिला प्रशासन से की। जानकारी होने के बाद एसडीएम पीयूष तिवारी ने कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर मामले को संज्ञान में लिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 242 का उल्लंघन करने पर जांच के निर्देश दिए। तहसीलदार के प्रतिवेदन और जांच रिपोर्ट में पता चला कि हल्का नंबर 33 की यह जमीन अभिलेख में तुकाराम पिता लक्ष्मण साव, साकिन जूना बिलासपुर के नाम पर दर्ज है।

एसडीएम ने जारी किया था नोटिस, तालाब पाटने से किया इंकार

जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसडीएम तिवारी ने जमीन के वर्तमान मालिक अमोलक सिंह भाटिया पिता हरवंश सिंह भाटिया, गुरमीत सिंह पिता हरवंश सिंह, गुरु शरण सिंह पिता सुरजीत सिंह को नोटिस जारी किया। इसमें उन्हें चेतावनी दी गई कि जिस तरह से तालाब को पाट कर समतल किया गया है। उसे फिर से उसके मूल स्वरूप में लाए। अन्यथा प्रशासन की तरफ से जमीन की खुदाई कर तालाब निर्माण किया जाएगा और इसकी पूरी राशि उनसे वसूल की जाएगी।

भू-स्वामी ने नोटिस के जवाब में तालाब को पाटने से इंकार किया। साथ ही नोटिस लेने से इंकार कर दिया। एसडीएम पीयूष तिवारी ने 23 अक्टूबर को आदेश जारी कर एक सप्ताह के भीतर वापस तालाब को खुद कर मूल स्वरूप में लाने के आदेश दिए थे। ऐसा नहीं करने पर प्रशासन के द्वारा खुदाई कराकर तालाब बनाने कहा था। लेकिन, 17 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी एसडीएम के निर्देश पर भाटिया परिवार के द्वारा तालाब को मूल स्वरूप में लाने का कोई कदम नहीं उठाया गया। जिसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को मैदान की खोदाई शुरू की गई।

जेसीबी और हाईवा लगाकर प्रशासन ने शुरू किया तालाब निर्माण: एसडीएम पीयूष तिवारी के राजस्व न्यायालय ने शराब कारोबारी व अन्य पर इस मामले में 25 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया था। लेकिन, नोटिस जारी करने के बाद भी उनकी तरफ से तालाब को मूल स्वरूप में लाने की दिशा में काम नहीं किया गया।

लिहाजा, मंगलवार को कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम जेसीबी और हाईवा लेकर सुबह से पहुंच गए। यहां पुलिस बल की मौजूदगी में मैदान को तालाब बनाने का काम शुरू किया। अफसरों का कहना है कि तालाब की खुदाई में आने वाले खर्च की राशि भू-स्वामी से वसूल की जाएगी।

जंगल में मिली गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की लाश

गांव से 3किमी दूर फंदे पर लटकते मिले, 3 नवंबर से लापता थे

मीडिया ऑडीटर, कांकेर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर में प्रेमी जोड़े की जंगल में पेड़ पर लटकती लाश मिली है। बताया जा रहा है कि लड़की कुछ दिनों से घर से लापता थी। वहीं लड़का भी काम के लिए जा रहा हूं कहकर निकला था, लेकिन दोनों वापस नहीं लौटे। 8वें दिन दोनों की लाश मिली है। मामला भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक युवक-युवती अलग-अलग समाज से थे। युवक का नाम महासिंह यादव (25) है, जो कांकेर जिले के ग्राम मूला का रहने वाला था। वहीं युवती का नाम संगीता गावड़े (22) है, जो बालोद जिले के साल्हे की रहने वाली थी।

क्या है पूरा मामला: मिचीपारा गांव के ग्रामीणों के मुताबिक वे जंगल गए थे, तभी उन्हें फांसी के फंदे पर लटकते युवक-युवती की लाश नजर आई। पहले दोनों को देखकर घबरा गए। फिर जंगल में लाश होने की खबर फौरन पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

डौंडी थाने में दर्ज कराई एफआईआर: युवक और युवती के परिजनों के मुताबिक लड़की 3 नवंबर से घर से निकली थी। युवक अपने मामा के घर रहता था, वह भी उसी दिन से गायब था। लड़का बोर गाड़ी में काम करता था, अपने मामा से बोर गाड़ी में काम करने की बात कहकर घर से निकला था।

युवती के घर नहीं लौटने से परिजनों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने डौंडी थाने में युवती की गुमशुदगी दर्ज कराई, तब युवती के परिजनों को प्रेम प्रसंग की जानकारी मिली।

युवक के घर पहुंचे थे युवती के परिजन: प्रेम प्रसंग की जानकारी मिलते ही युवती के परिजन युवक के घर पहुंचे थे। युवक के परिजनों ने बताया कि महासिंह यादव बोर के काम से बाहर गया हुआ है, वह बोर करने वाली कंपनी में काम करता है। 3 नवंबर से वह घर नहीं आया है।

सड़ने लगी थी दोनों की लाशें: पुलिस ने बताया कि मिचीपारा गांव से करीब 3 किलोमीटर दूर दोनों की लाश मिली है। लाश पुरानी हो गई थी, जिससे बदबू भी आने लगी थी। फिलहाल, आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

पुलिस मुखबिरी के शक में युवक को मौत की सजा

जनअदालत लगाकर धारदार हथियार से मार डाला, जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, बीजापुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने जनअदालत लगाकर एक ग्रामीण की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि, पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया, फिर सैकड़ों ग्रामीणों के सामने ही धारदार हथियार से वारकर मार डाला है। मामला जांगला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने माटवाड़ा गांव निवासी माड़वी दुलारू का अपहरण कर लिया था। जिसके बाद एक दिन पहले पोटेनार गांव में जनअदालत लगाई थी। उसे जनअदालत के कटघरे में खड़ा किया था। इस पर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया गया। नक्सलियों ने गांव वालों के सामने कहा कि, ये पुलिस के साथ मिलकर हमारी सूचना देता है।

इसलिए इसे मौत की सजा दी जा रही है। जिसके बाद धारदार हथियार से वारकर उसे मार डाला। वहीं, इस मामले की जानकारी आज सुबह पुलिस को मिली है। एएसपी चंद्रकांत गवर्णा ने कहा कि, जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही चीजें स्पष्ट होंगी।

कार चालक ने तलवार लेकर बाइक सवार को दौड़ाया

जान बचाने थाने पहुंचा युवक, नशे में ड्राइविंग, टोका तो किया हमला

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। भिलाई के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक कार चालक ने तलवार लेकर बाइक सवार को जान से मारने के लिए दौड़ाया। बाइक सवार जब जान बचाकर थाने की तरफ भागा तो आरोपी कार चालक ने तलवार लेकर उसकी बाइक में तोड़फोड़ कर दी। वैशाली नगर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

वैशाली नगर निवासी राजेश कुमार पिता मोहन गाड़ा ने वैशाली नगर थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि त्योहार होने से वो मंगलवार सुबह 7.30 बजे बाइक से वैशाली नगर मार्केट की तरफ गन्ना और पूजा का सामान लेने जा रहा था। उसी दौरान कैलाश नगर निवासी शुभम सिंह अचानक अपनी कार सीजी 07 एपी 1628 आया और उसे टक्कर मारने की कोशिश की।

शुभम काफी नशे में था। बाइक सवार ने उसे सही से चलाने के कहा और आगे जाने लगा। इस शुभम कार को बाइक को ओवरटेक करते हुए आया और कार को बाइक के सामने लगाकर रुकवा लिया। इसके बाद उसने कार के अंदर से तलवार निकाला और युवक को मारने के लिए दौड़ा लिया। राजेश का आरोप है कि आरोपी उसे गाली देते हुए जान से मारने के लिए दौड़ाया। इससे वो काफी डर गया और वहां से सीधा वैशाली नगर थाने की तरफ भागा। थाने पहुंचकर उसने अपनी जान बचाई। जब उसने पुलिस वालों को इसकी जानकारी दी और उन्हें लेकर मौके पर पहुंचा तो देखा कि वहां उसकी बाइक में तलवार से कई बार मारकर उसे तोड़ने और उसमें आग लगाने की कोशिश की।

घटनास्थल से लिए सीसीटीवी फुटेज: बताया जा रहा है कि पुलिस ने घटना स्थल से सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किया है। फुटेज में आरोपी तलवार लेकर युवक को दौड़ाता हुआ दिख रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज अभी देने से मना किया है। इस संबंध में जब वैशाली नगर थाना प्रभारी ममता अली शर्मा को फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। वहीं सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर जांच की जा रही है।

पुलिस ने जब्त की कार: पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी कार को जब्त कर लिया है। राजेश के बड़े भाई का कहना है कि जिस तरह से तलवार लेकर खुलेआम उसके भाई को मारने के लिए दौड़ाया गया है, उससे न सिर्फ वो और उनका परिवार बल्कि वहां मौजूद लोग दहशत में हैं। पुलिस को चाहिए को वो इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे।

फर्जी ड्रग अफसर बनकर ठगे साढ़े 7 लाख

आयुर्वेदिक डॉक्टर को क्लीनिक बंद कराने की धमकी, किराए की कार से आया था

मीडिया ऑडीटर, महासमुंद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में फर्जी ड्रग अधिकारी बनकर ठग नाड़ी वैद्य शेष नारायण गुप्ता के क्लीनिक पहुंचा। वैद्य को डरा धमका कर साढ़े 7 लाख रुपये ऐंठ लिए। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। वैध ने इस मामले की शिकायत सिटी कोतवाली पुलिस से की है।

दरअसल, कुम्हारपारा में नाड़ी वैध शेष नारायण गुप्ता की क्लीनिक है। सोमवार सुबह साढ़े 11 बजे वे अपने क्लिनिक में मरीज देख रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति सूट बूट पहने कार से उतरा। पहले उसने खुद को आयकर अधिकारी कहा, फिर नाड़ी वैध का इनकम टैक्स प्रोफाइल और जानकारी मांगी।

फर्जी आईडी दिखाकर ठगे पैसे: सब ठीक ठाक होने के स्थिति में उसने फिर अपना परिचय ड्रग आफिसर के रूप दिया और फर्जी आईडी कार्ड दिखाया। एलोपैथी दवाई उपयोग करने की जांच शुरू कर दी। एलोपैथी दवा न मिलने पर उसे डराने धमकाने लगा और गाली गलौज की। क्लिनिक बंद करने की धमकी देकर उनसे पैसे ऐंठ लिए। गुप्ता के मुताबिक घर पर रखा साढ़े 7 लाख रुपये वसूलकर फर्जी अधिकारी चलता बना।

किराए की कार से आया था आरोपी: ठगी के शिकार हुए नाडी वैध ने सिटी कोतवाली में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जो ठग ड्रग ऑफिसर बनकर किराए की कार आया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार सहित 2 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जबकि इसका मुख्य आरोपी अब भी फरार बताया जा रहा है। वहीं पुलिस इस पूरे मामले में कुछ भी कहने से बच रही है।

पति पर पत्नी की हत्या का शक

घटना के बाद से फरार, दोनों ने किया था प्रेम-विवाह, अंडर-कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग में मिली थी लाश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के कलर्स मॉल के पास सन एंड सन ग्रुप के अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग में मिली महिला की लाश के मामले में फिलहाल पुलिस के हाथ खाली है। इस मामले में पुलिस को शक है कि महिला की हत्या उसके पति ने की होगी। घटना के बाद से ही महिला का पति फरार है। पुलिस ने महिला की पहचान कर ली है। मृतक महिला सुनीता ध्रुव(25) पिथौरा की रहने वाली थी। उसकी करीब डेढ़ साल पहले रामेश्वर दीवान नाम के व्यक्ति से शादी हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था इस बात की जानकारी घर वालों को भी थी। पति-पत्नी रायपुर में ही रहकर कंस्ट्रक्शन साइट में मजदूरी का काम करते थे। आशंका है कि दौरान पति-पत्नी का विवाद हुआ होगा। जिसके बाद पति हत्या कर फरार हो गया। हालांकि इस बात की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ के बाद होगी।

जानिए पूरा मामला: पूरा मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। राजेंद्र नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 9 नवंबर की रात सात 7 बजे के करीब पुलिस को सूचना मिली कि एक बिल्डिंग के अंदर से तेज बदबू आ रही है। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो वहीं पास में एक इंसानी खोपड़ी पड़ी हुई थी। आसपास कुत्ते घूम रहे थे। लोगों ने बताया कि कुत्तों ने खोपड़ी को बाल के सहारे सड़क पर लाया था।

अंदर मलबे में दबी मिली लाश: पुलिस जब बिल्डिंग के अंदर घुसी। तो भीतर ढेर सारा मलबा पड़ा हुआ था और तेज बदबू आ रही थी। मलबा को हटाकर देखा गया तो अंदर एक लड़की की लाश पड़ी थी जो अर्धनग्न हालत में थी।

अंग्रेजी को बढ़ावा देने शिक्षा विभाग ने स्टेप अप फ़ॉर इंडिया के साथ किया एमओयू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले में स्कूली छात्र छात्रों के अंग्रेजी बोलने सुनने और समझने की क्षमता को बढ़ाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर एवं स्टेप अप फ़ॉर इंडिया एनजीओ के मध्य निःशुल्क समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। जिसके तहत पायलट मोड पर मनेन्द्रगढ़ ब्लॉक के सभी प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल में अंग्रेजी भाषा के ऊपर कार्य किया जाना है। कार्य की प्रगति के आधार पर भविष्य में पूरे जिले में कार्य किया जाना प्रस्तावित है। स्टेप अप फ़ॉर इंडिया एनजीओ कई वर्षो से राज्य स्तर पर सीक्रेट के साथ कार्य कर रहा है। एमसीबी जिला में यह पायलट प्रोजेक्ट एक्सिस बैंक फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित है।

शेयर मार्केट में मुनाफा दिलाने के नाम पर ठगी

महिला से 9 लाख रुपए ऐंठे, हर महीने 45 हजार ब्याज का दिया झांसा

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग-भिलाई में खुर्सीपार निवासी एक महिला 9 लाख रुपए की ठगी का शिकार हुई है। महिला की शिकायत पर खुर्सीपार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिंकी राठौर ने मामले की शिकायत दर्ज कराई कि धनी राम सिन्हा मकान नं. 4 वार्ड नं.45, गोकुल धाम सोसाइटी, जिला राजनांदगांव में रहता है। उसने शेयर मार्केट में मुनाफा दिलाने का लालच देकर उसके साथ 9 लाख रुपए की ठगी की है।

रिंकी ने बताया कि धनीराम सिन्हा की उसके पति मंगल सिंह राठौर के दोस्त मनोज साहू से पुरानी जान पहचान थी। धनीराम सिन्हा शेयर मार्केट में पैसा लगवाने का काम करता था। वो मनोज साहू के माध्यम से उनसे मिला और अपने मोबाइल पर जाली दस्तावेज दिखाकर दावा किया वो शेयर मार्केटिंग से अच्छा खासा मुनाफा कमाता है।

अच्छे रिटर्न का दिया झांसा: उसका काम है कि वो लोगा पैसा इनवेस्ट कराकर अच्छा रिटर्न लेता है। इसके बाद अपना कमीशन काटकर सामने वाले को देता है। 24 नवंबर 2023 को धनीराम सिन्हा और मनोज साहू उनके घर आये। उन्होंने उन्हें शेयर मार्केट की पॉलिसी के बारे में बताया और कहा वो ज्यादा से ज्यादा पैसा लगाएं, जिससे अच्छा मुनाफा मिल सके।

धनीराम सिन्हा की बातों पर विश्वास करते रिंकी ने उन्हें चेक के जरिए 9 लाख रुपए दे दिए। उसने बताया कि ये रुपए उसने आईडीएफसी बैंक से पति मंगल सिंह के नाम पर लोन लेकर दिया था। धनीराम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उन्हें प्रतिमाह 5 प्रतिशत ब्याज यानी कि 45,000 रुपए ब्याज दिलाएगा।

गारंटी के रूप में दिया था अपना चेक: डर धनीराम इतना चालाक था कि उसने रिंकी को 9 लाख रुपए का अपना चेक बतौर गारंटी दिया था। उसने कहा कि यदि उसे रिटर्न ना मिले तो वो उसका चेक लगाकर बैंक से अपना पैसा निकाल सकती हैं। इसके बाद उसने 2 माह उन लोगों को ब्याज दिया, उसके बाद टालमटोल करने लगा। इस दौरान उसने उसके पति के दोस्त करण आर्या से 3 लाख और मनोज से 2 लाख रुपए और इनवेस्ट करा लिए। उनके साथ भी ठगी की गई है।

पति की पूरी कमाई जा रही किस्त में: रिंकी ने पुलिस को बताया कि उसके पति हेल्थ इंश्योरेंस का काम करते हैं। उन्हें 40 हजार रुपए महीने की वेतन मिलती है। उन्होंने जो बैंक से 9 लाख रुपए का लोन लिया है। उसका उन्हें हर महीने 35 हजार रुपए किस्त चुकाना पड़ रहा है। इससे उनके पास घर चलाने के लिए पैसा नहीं बच रहा है। हालत यह है कि उनकी 5 साल और 12 की बेटी को पढ़ाने और पालने में भी तकलीफ हो रही है।

सहायक प्रोग्रामर के पद पर नियुक्ति हेतु चयन सूची जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, मनेन्द्रगढ़ के कार्यालय द्वारा सहायक प्रोग्रामर (जॉबदर) के पद पर भर्ती के लिए अंतिम चयन सूची और प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है। यह सूची कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, रायपुर के पत्र क्रमांक/स्था वि./एन 247 वीआई/899/2023 न.रा.अ.न. 24 जून 2023 और विज्ञापन क्रमांक/पि.वि.अ./स्था. विप./144/2024 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 2 अगस्त 2024 के अंतर्गत जारी की गई है।

साक्षात्कार प्रक्रिया के उपरांत चयन समिति द्वारा तैयार की गई सूची को जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करें। इस सूची के प्रकाशन से जुड़े सभी उम्मीदवार जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की वेबसाइट पर जाकर अपने चयन की स्थिति देख सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

पुलिस ने पेड़ से उतारा तो घर जाकर लगाई फांसी

पत्नी मायके गई तो पति ने की खुदकुशी, सुबह डायल-112 ने समझाया था

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 55 साल के बुजुर्ग ने घर में फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि, घरेलू विवाद के कारण उसकी पत्नी मायके चली गई थी। इसके बाद वह सोमवार सुबह पेड़ पर भी चढ़ गया था। डायल-112 की टीम ने उसे समझाइश देकर उतारा था। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह एक युवक निर्माणाधीन मकान में पानी डालने पहुंचा था। इसी दौरान उसने गोपालपुर में रहने वाले हरिशंकर सिदार (55 साल) की लाश उसके घर में लटकी देखी।

बेटी ने बताया कि मां-पापा का हुआ था विवाद: युवक ने गांव के सरपंच सोनू यादव को लाश देखने की सूचना दी। इसके बाद पुलिस को भी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा है। मृतक की 17 वर्षीय बेटी ने बताया कि तीन दिन पहले जब उसकी मां कुसूम सिदार खेत से काम करके घर लौटी, तो पिता हरिशंकर उस पर चिल्लाने लगे।

काफी देर तक विवाद हुआ और पिता ने गाली-गलौज भी की। इसके बाद शाम को मां अपनी बेटी को लेकर मायके पुजेरीपाली चली गई। बेटी ने बताया कि सोमवार को जब पिता हरिशंकर पेड़ पर फांसी लगाने चढ़ा तो गांव के पड़ोसी ने कॉल करके मामले की जानकारी दी थी। इसके बाद मंगलवार सुबह पिता के आत्महत्या करने की सूचना सरपंच ने दी। जिसके बाद दोनों वापस घर लौट आए।

झारखंड-बंगाल में वोटिंग से पहले ईडी की छापेमारी

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में 17 जगहों पर छापेमारी की। मामला बांग्लादेशी घुसपैठ, देह व्यापार और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम कई लोगों और संगठनों की सीमापार घुसपैठ से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रही है। झारखंड विधानसभा चुनाव में कल यानी बुधवार को पहले चरण में 43 सीटों पर वोटिंग होनी है। वहीं, पश्चिम बंगाल की 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। दरअसल, रांची पुलिस ने इसी साल जून में बरियातू थाना क्षेत्र के हिल व्यू रोड बाली रिजॉर्ट से तीन संदिग्ध बांग्लादेशी युवतियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार तीनों युवतियों की पहचान बांग्लादेश के चटग्राम की रहने वाली निंपी बिरूआ, समरीन अख्तर व निपा अख्तर के रूप में हुई थी। तीनों ही युवतियों ने पुलिस को बताया था कि उन्हें मनीषा राय नामक की एक अन्य लड़की की मदद से बांग्लादेश से जंगल के रास्ते पहले कोलकाता फिर वहां से रांची लेकर आई थी। उन्हें ब्यूटी सैलून में जॉब दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन यहां उनसे जिस्मफरोशी कराई जाने लगी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एनकाउंटर शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नागमर्ग इलाके में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। यहां दो आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर रखा है। नॉर्थ कश्मीर में पिछले 7 दिनों में यह पांचवीं मुठभेड़ है। इससे पहले बांदीपोरा, कुपवाड़ा और सोपोर में मुठभेड़ हो चुकी है। इससे पहले 10 नवंबर को किश्तवाड़ के केशवान के जंगलों में एनकाउंटर हुआ था। यहां 3-4 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी, जिसके बाद सेना ने सर्चिंग की तो आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी थी। जवाबी कार्रवाई के दौरान पैरा स्पेशल फोर्स के 4 जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान नायब सूबेदार राकेश कुमार की मौत हो गई थी। यहां आज तीसरे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है। 2 दिन में 3 एनकाउंटर, सोपोर में 3 आतंकी ढेर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच पिछले 2 दिन में 3 मुठभेड़ हुईं। सुरक्षाबलों ने नवंबर महीने के 10 दिन में 8 आतंकी मार गिराए हैं। सोपोर में 8 नवंबर को 2 आतंकी और 9 नवंबर को एक आतंकी मार गिराया था। इन इलाकों में सुरक्षाबल हाई अलर्ट पर हैं।

प्रयागराज में 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन

प्रयागराज। प्रयागराज में लोक सेवा आयोग कार्यालय के सामने 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी है। मंगलवार दोपहर छात्रों ने थाली बजाकर विरोध जताया। बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। यही नहीं, आयोग के मेन गेट पर कालिख से %लूट सेवा आयोग% लिख दिया। आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत की शव यात्रा निकाली। पुलिस यह सब देखती रही। छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इधर, छात्रों के प्रदर्शन पर सियासत भी शुरू हो गई है।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य छात्रों के समर्थन में उतर आए। कहा- अधिकारी छात्रों की मांगों को संवेदनशीलता से सुनें और जल्द समाधान निकालें।

मोदी बोले-कांग्रेस देश को कमजोर करने का मौका नहीं छोड़ती

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर पहुंचे। यहां उन्होंने चिमूर में कहा- कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी वाले देश को पीछे करने का और कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। कांग्रेस और उसके साथियों ने आपको सिर्फ खूनी खेल दिए हैं। ये हमारी सरकार है जिसने नक्सलवाद पर लगाम लगाई।

मोदी बोले- हमने जम्मू-कश्मीर से 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा। लेकिन कांग्रेस और उसके साथी कश्मीर में फिर से 370 लागू करने के लिए प्रस्ताव पास कर रहे हैं। ये लोग वो काम कर रहे हैं जो पाकिस्तान चाहता है।

नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री ने कहा- हमारे चंद्रपुर के इस क्षेत्र ने भी दशकों तक नक्सलवाद की आग को झेला है। यहां नक्सलवाद के कुचक्र में कितने ही युवाओं का जीवन बर्बाद हो गया। हिंसा का खूनी खेल चलता रहा, औधोगिक संभावनाओं ने यहां दम तोड़ दिया।

कांग्रेस और उसके साथियों ने आपको सिर्फ और सिर्फ खूनी खेल दिए हैं। हमारी सरकार ने नक्सलवाद पर लगाम लगाई। आज ये पूरा क्षेत्र खुलकर सांस ले पा रहा

है। अब चिमूर और गढ़चिरौली के क्षेत्र में नए अवसर बन रहे हैं। इस क्षेत्र में नक्सलवाद फिर से हावी न हो जाए, इसके लिए आपको कांग्रेस और उसके साथियों को यहां फटकने भी नहीं देना है।

कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर पीएम ने कहा- कांग्रेस और अघाड़ी वाले देश को कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जम्मू-कश्मीर दशकों तक अलगाववाद-आतंकवाद में जलता रहा। महाराष्ट्र के कितने ही वीर जवान मातृभूमि की रक्षा करते करते जम्मू-कश्मीर की धरती पर शहीद हो गए। जिस कानून की आड़ में, जिस धारा की आड़ में ये सब हुआ, वो धारा थी 370। ये कांग्रेस की देन थी।

उन्होंने कहा- हमने 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा।

सीजेआई खन्ना बोले- तत्काल लिस्टिंग-सुनवाई मौखिक नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में वकील अब किसी मामले की तत्काल लिस्टिंग और सुनवाई ओरली (मौखिक) नहीं करा सकेंगे। नए सीजेआई संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि वकीलों से इसके लिए ईमेल या रिटन लेटर भेजा होगा। दरअसल, सीजेआईने ज्यूडिशियल रिफोर्म के लिए सिटिजन सेंट्रिक एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है। सीजेआईखन्ना ने कहा- तत्काल सुनवाई के लिए अब तक वकील सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच के सामने मौखिक अपील कर रहे हैं, यह अब नहीं होगा। वकीलों को ईमेल भेजकर या पत्र देकर यह बताना होगा कि केस की

अर्जेंट लिस्टिंग और हियरिंग क्यों जरूरी है।

जस्टिस संजीव खन्ना ने 11 नवंबर को देश के 51वें चीफ जस्टिस की शपथ ली थी। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं।

6 महीने का होगा जस्टिस खन्ना का कार्यकाल जस्टिस खन्ना का सीजेआई के रूप में कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

जस्टिस संजीव के चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना भी सुप्रीम कोर्ट में जज थे। हालांकि, इंदिरा सरकार के इमरजेंसी का विरोध करने पर उन्हें सीनियर होने के बावजूद चीफ जस्टिस नहीं बनाया गया।

कश्मीर में बर्फबारी, दिल्ली में धुंध, तमिलनाडु में बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इन दिनों तीन तरह का मौसम नजर आ रहा है। उत्तर भारत में बर्फबारी होने लगी है, मैदानी इलाकों में धुंध के साथ दिन-रात के तापमान में तेजी से उतार-चढ़ाव हो रहा है। वहीं दक्षिण भारत में लौटते हुए मानसून के कारण बारिश हो रही है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा में साधना टॉप, गुरेज, पीर पंजाल रेंज, पीर की गली, सोनमर्ग समेत लद्दाख के जोजिला दर्रे में भी सीजन की पहली बर्फबारी हुई। वहीं, मैदानी इलाकों दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश प्रदूषण और धुंध से जूझ रहे हैं। इन राज्यों के कई जिलों में एयर क्वालिटी कंट्रोल 350 से 400 के बीच रिकॉर्ड किया गया।

दक्षिण भारत में तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम, तंजावुर, तिरुवरुर, पुदुक्कोट्टई, रामनाथपुरम, विल्लुपुरम और पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा- प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना मौलिक अधिकार सुप्रीम कोर्ट ने भी 11 नवंबर को एक सुनवाई के दौरान कहा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर नागरिक का मौलिक अधिकार है।

10 राज्यों की 31 विधानसभा,1 लोकसभा सीट पर उपचुनाव आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में पहले फेज की 43 सीटों के साथ ही 10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव होंगे। सिक्किम की 2 सीटों पर 30 अक्टूबर को ही सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था।वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव राहुल गांधी के इस सीट को छोड़कर रायबरेली सीट चुनने की वजह से हो रहा है। उन्होंने रायबरेली और वायनाड दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीते थे। यहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस प्रत्याशी हैं। कांग्रेस का राज्य में यूडीएफ

गठबंधन है। भाजपा की ओर से नव्या हरिदास और लेफ्ट गठबंधन एलडीएफ से सत्यन मोकेरी चुनावी मैदान में हैं। 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों में से 28 विधायकों के लोकसभा चुनाव में सांसद बनने, 2 के निधन और 1 के दलबदल से उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें 4 सीटें एससी और 6 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। 31 में से 18 सीटें विपक्ष ने जीती थीं। इनमें अकेले कांग्रेस के पास 9 सीटें थीं। वहीं, एनडीए ने 11 सीटें जीती थीं। इनमें से 7 विधायक भाजपा के थे। 2 विधायक अन्य दलों के थे। राजस्थान में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के 11 महीने के भीतर ही सात सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें से केवल सलूंबर सीट से अमृतलाल मीणा भाजपा विधायक थे, बाकी 4 पर कांग्रेस, एक सीट भारतीय आदिवासी पार्टी और एक हनुमान बेनीवाल की आरएलपी के पास थी। उपचुनाव के नतीजे सीधे तौर पर प्रदेश की भजनलाल सरकार की पहली परीक्षा के तौर पर भी देखे जाएंगे।

कंगना 28 नवंबर को हाजिर हों..आगरा कोर्ट का आदेश

आगरा (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनोट के खिलाफ मंगलवार को आगरा कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा। साथ ही कंगना रनोट को 28 नवंबर को स्वयं हाजिर होकर अपना पक्ष रखने के आदेश दिए। दरअसल, इसी साल 24 अगस्त को कंगना ने एक इंटरव्यू के दौरान दैनिक भास्कर से कहा था- किसान आंदोलन के समय रेप-मर्डर हुए। बिल वापसी न होती तो प्लानिंग लंबी थी। इसके बाद उनके खिलाफ आगरा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा ने एमपी-विधायक कोर्ट में 11 सितंबर को याचिका दाखिल की थी।

हिमाचल के शहीद नायब सूबेदार को अंतिम विदाई

मंडी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए नायब सूबेदार राकेश कुमार (42) का आज हिमाचल प्रदेश के मंडी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शहीद को उनके 9 साल के बेटे ने मुखाग्नि दी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। उनका पार्थिव शरीर आज ही उनके पैतृक गांव मंडी के बरनोग पहुंचा था। शव आते ही पत्नी-बच्चों समेत परिजन और रिश्तेदार उससे लिपट कर रोने लगे। आसपास के सैकड़ों लोग भी पहुंचे थे। शहीद का पार्थिव शरीर आते ही लोग शहीद अमर रहे और भारत माता की जय के उद्घोष करने लगे थे। राकेश कुमार का पार्थिव शरीर बीती शाम को जम्मू से

हेलिकॉप्टर में मंडी के कंगनीधार हेलिपैड पर लाया गया था। वहां से नेरचौक मेडिकल कॉलेज में आया। आज सुबह 8 बजे ही शरीर को उनके पैतृक गांव के लिए रवाना किया गया था। जिसके बाद पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए घर पर रखा गया। परिवार के मुताबिक राकेश कुमार एक सप्ताह पहले ही दिवाली मना कर छुट्टी खत्म होने के बाद ड्यूटी पर लौटे थे। जिसके बाद बीते रविवार (10 नवंबर) को किश्तवाड़ में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हो गए।

लॉरेंस के साथियों को मारने वालों को मिलेंगे 2.44 करोड़, क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में 5 दिसंबर को हुई श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या ने राज्यभर में हड़कंप मचा दिया था। बदमाशों ने गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या कर दी थी और इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस विश्नोई गैंग ने ली थी। गोगामेड़ी की हत्या के बाद

से ही राज्य में ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और अब इस मामले में एक नया मोड़ आ गया है। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत ने गोगामेड़ी के हत्यारों को पकड़ने और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल लॉरेंस विश्नोई गैंग के सदस्यों को ठिकाने लगाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने गैंग से जुड़े 5 मुख्य आरोपियों पर 2 करोड़ 44 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है।

कनाडा में मंदिरों में कौंसुलर कैंप रद्द होने पर हिंदू समुदाय में आक्रोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के हिंदू मंदिरों में इस सप्ताहांत होने वाले दो कौंसुलर कैंप सुरक्षा कारणों के चलते रद्द कर दिए गए हैं। ये कैंप ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में स्थित ब्रैम्पटन के त्रिवेणी मंदिर और कम्युनिटी सेंटर में 16 नवंबर को और टोरंटो स्थित काली बाड़ी मंदिर में 17 नवंबर को आयोजित किए जाने थे। हाल ही में ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तान समर्थकों द्वारा हमले के बाद इन आयोजनों को रद्द करने का निर्णय लिया गया। इस घटना के बाद कनाडा में हिंदू समुदाय के बीच गहरी चिंता और रोष देखने को मिल रहा है।

समुदाय के सदस्यों का कहना है कि आस्था के केंद्रों में भी जाने में अब वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। त्रिवेणी मंदिर की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि पील रीजनल पुलिस को मिली खुफिया जानकारी के अनुसार यहां बड़े पैमाने पर हिंसक प्रदर्शन की धमकी दी गई थी, जिसके चलते इन कौंसुलर कैंपों को रद्द करने का फैसला किया गया। बयान में कहा गया कि इस स्थिति को देखते हुए हम बहुत दुखी हैं कि अब कनाडा के हिंदू अपने धार्मिक स्थलों पर जाने से भी डरने लगे हैं। इसी तरह, टोरंटो स्थित काली बाड़ी मंदिर के ट्रस्टियों ने भी कैंप रद्द करने की पुष्टि की और कहा कि हिंदू सभा में हुई हिंसा के बाद से मंदिर प्रशासन अपनी सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित है। काउंसुलर कैंप्स रद्द करने का निर्णय इसलिए भी लिया गया क्योंकि अलगाववादी समूह %सिख्स फॉर जस्टिस% ने इन आयोजनों को सार्वजनिक रूप से ऑनलाइन नोटिस के माध्यम से निशाना बनाया था।

विमान में खराबी के कारण चिखली में राहुल गांधी की रैली रद्द, मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के चिखली में होने वाली चुनावी रैली मंगलवार को रद्द कर दी गई, क्योंकि दिल्ली से आने वाली उनकी उड़ान में तकनीकी खराबी आ गई थी। राहुल गांधी दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस उम्मीदवार राहुल बोंद्रे के लिए चिखली में जनसभा को संबोधित करने वाले थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक वीडियो बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने रैली रद्द करने का कारण बताया। उन्होंने कहा, मुझे आज चिखली आना था, लेकिन मेरी उड़ान में तकनीकी खराबी के कारण मैं नहीं आ सका। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं। मुझे एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करना था और सोयाबीन किसानों से बातचीत करनी थी। सोयाबीन और कपास किसान बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मैं आप सभी से माफी चाहता हूं। मुझे आज चिखली आना था। वहां मुझे सोयाबीन के किसानों से मिलना था और एक जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन हवाई जहाज में तकनीकी खराबी के कारण नहीं आ पाया। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि भाजपा सरकार सोयाबीन और कपास किसानों को उचित मूल्य नहीं देती है।

विश्वकर्मा योजना के तहत 1 साल में 11 लाख कारीगरों को किया गया कौशल प्रदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख योजना पीएम विश्वकर्मा के तहत, पिछले साल सितंबर में इसके शुभारंभ के बाद से अबतक 10.8 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल प्रदान किया गया है। इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित होने वालों में महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। इस योजना के तहत, सिलाई, चिनाई, बढ़ईगीरी, नाई और मालाकार जैसे पारंपरिक शिल्प में सबसे अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से कई कारीगरों ने बांस कला, मूर्तिकला, और नाव और मछली जाल बनाने जैसे पारंपरिक शिल्प में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस योजना में लगभग 40 प्रतिशत

महिलाएं शामिल हैं। महिलाओं को पारंपरिक शिल्प से संबंधित व्यवसायों में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

उद्धव के हेलिकॉप्टर की 2 बार तलाशी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के हेलिकॉप्टर की 24 घंटे में दूसरी बार चेकिंग हुई। उद्धव मंगलवार को उस्मानाबाद में औसा सीट पर प्रचार करने आए थे। इस दौरान चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने उनके हेलिकॉप्टर की चेकिंग की। इससे पहले 11 नवंबर को यवतमाल के वनी एयरपोर्ट पर उनके बैग की जांच की गई थी। चुनाव आयोग की कार्रवाई पर उद्धव ठाकरे नाराज हो गए। उन्होंने मंगलवार को कहा- पिछली बार जब पीएम मोदी के हेलिकॉप्टर की तलाशी ली गई थी, तब ओडिशा में एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया था। आपने मेरे बैग की जांच की, कोई बात नहीं, लेकिन मोदी और शाह के बैग की भी जांच होनी चाहिए।

उद्धव ने अधिकारियों के बैग चेक करने का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने कहा- मेरा बैग चेक कर लीजिए। चाहे तो मेरा यूरिन पॉट भी चेक कर लीजिए, लेकिन अब मुझे मोदी के बैग चेक वहां आप अपनी पूंछ मत झुका देना। यह वीडियो मैं रिलीज कर रहा हूं। उद्धव के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा- 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सत्ताधारी दल के प्रमुख नेताओं के हेलिकॉप्टर की तलाशी ली गई थी। 24 अप्रैल, 2024 को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के हेलिकॉप्टर की तलाशी बिहार के भागलपुर जिले में और 21 अप्रैल, 2024 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हेलिकॉप्टर की तलाशी बिहार के कटिहार जिले में हुई थी।

रिपोर्ट में खुलासा, पाकिस्तान वापस ले सकता है आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने की संभावनाओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आने के बीच, डॉन की एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि मेजबान टीम टूर्नामेंट से पूरी तरह से हट सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और वह अपने मैचों के लिए यूएई जैसे तटस्थ स्थल पर खेलने को लेकर सहज है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन फरवरी में किया जाएगा। यह ताजा घटनाक्रम उन रिपोर्टों के बाद सामने आया है जिनमें कहा गया है कि आईसीसी इस टूर्नामेंट को पूरी तरह से स्थानांतरित करने पर विचार कर सकता है। डॉन ने एक सूत्र के हवाले से कहा, ऐसे मामले में सरकार जिन विकल्पों पर विचार कर रही है, उनमें से एक विकल्प पीसीबी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहना है कि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी में भाग न ले।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से देख रही है। इसके अलावा, पीटीआई की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीवीबी) से पुष्टि मांगी है कि क्या हाइब्रिड मॉडल उन्हें स्वीकार्य है। एक सूत्र ने सोमवार को पीटीआई को बताया, जब तक पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से हटने का फैसला नहीं करता, तब तक मौजूदा योजना भारत के मैच यूएई में और फाइनल दुबई में आयोजित करने की है।

भारत के इनकार से भड़का पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी को लेकर आईसीसी से स्पष्टीकरण मांगेगा क्योंकि उसे सिर्फ बताया गया है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए नहीं आएगी लेकिन हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। पीसीबी को आईसीसी ने बताया है कि बीसीसीआई अगले साल फरवरी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। बीसीसीआई ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को इसकी जानकारी दी। पीसीबी के एक जानकार सूत्र ने कहा है कि, चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल पर कराने को लेकर कोई बात नहीं हुई है। पिछले साल एशिया कप में हाइब्रिड मॉडल अपनाया गया था जब भारत के मैच श्रीलंका में और बाकी सारे मैच पाकिस्तान में हुए थे। ऐसी अटकलें हैं कि भारत के मैच दुबई में हो सकते हैं। सूत्र ने कहा है कि, पीसीबी अपने कानूनी सलाहकारों से बात करके आईसीसी को ईमेल भेजेगा। जिसमें भारत के फैसले पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। पीसीबी मशविरे और जरूरत पड़ने पर निर्देशों के लिए सरकार के संपर्क में है।

सूत्र ने ये भी कहा है कि, अगर पाकिस्तान सरकार भारत से क्रिकेट संबंधों पर कठोर फैसला लेती है तो आईसीसी के लिए इसके कानूनी नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने कहा है कि, व्यावसायिक साझेदारों की ओर से कानूनी नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं क्योंकि आईसीसी ने प्रसारकों और प्रायोजकों से कहा है कि सभी टॉप क्रिकेट खेलने वाले देश टूर्नामेंटों में भाग लेंगे। भारतीय टीम ने 2008 के मुंबई आंतकी हमले के बाद से पाकिस्तान का दौरान नहीं किया है।

बारबोरा क्रेजिसिकोवा के शरीर पर टिप्पणी करना इस कमेंटेटर को भारी पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेनिस स्टार बारबोरा क्रेजिसिकोवा खेल की दुनिया का बड़ा नाम है। उन्होंने कई खिताब अपने नाम किए हैं। बारबोरा ने अपने खेल के जरिए नाम और शोहरत कमाई है। लेकिन उनके खेल के अलावा उनके शरीर पर टिप्पणी की गई तो खिलाड़ी भड़क गई। उन्होंने न सिर्फ बयान देने वाले को बल्कि उन सभी को सबक दिया जो कि महिला खिलाड़ियों पर इस तरह की टिप्पणी दिया। टेनिस चैनल पर कमेंट्री करते हुए पत्रकार जॉन वरथिम ने बारबोरा के माथे को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि, आपको क्या लगता है, मैं क्या कहूं? बारबोरा क्रेजिसिकोवा। मेरा माथा देखो, ऐसा लग रहा है कि क्रेजिसिकोवा और जेंग कोर्ट पर हों। एक नहीं आठ माथे है।

ये बयान बारबोरा को पसंद नहीं आया। उन्होंने इस अनप्रोफेशनल कमेंट्री बताया। बारोबरा ने एक्स पर लिखा कि, आप हाल ही में टेनिस चैनल पर डब्ल्यूटीए फाइन्स के दौरान मेरी अपियरेंस को लेकर बयान दिया गया है कि न कि मेरे खेल पर। एक एथलीट के तौर पर मैंने इस खेल को बहुत कुछ दिया है और ये देखना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे मोहम्मद नबी

शारजाह (एजेंसी)। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने घोषणा की है कि वह अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे। सोमवार को यहां बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की एकदिवसीय श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद 39 साल के नबी ने कहा कि वह पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के बाद से इस प्रारूप को अलविदा कहने पर विचार कर रहे थे। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए नबी ने आधिकारिक प्रसारणकर्ता से कहा, ''पिछले विश्व कप से मेरे दिमाग में था कि मैं संन्यास ले रहा हूं लेकिन इसके बाद हमने चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई कर लिया और मैंने सोचा कि अगर मैं इसमें खेलता हूं तो शानदार होगा।''

नबी ने 2009 से 167 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 147 पारियों में 27.48 के औसत और 86.99 के स्ट्राइक रेट से 3,600 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 136 रन हैं। उन्होंने गेंदबाजी में 161 पारियों में 32.47 के औसत और 4.27 के इकोनॉमी रेट से 172 विकेट भी चटकाए हैं। उन्होंने चार बार पारी में चार विकेट और एक बार पांच विकेट हासिल किए हैं। पिछले साल विश्व कप में छठे स्थान पर रहकर अफगानिस्तान ने चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया। अफगानिस्तान की टीम पहली बार आठ टीम के इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी जिसका आयोजन अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में किया जाएगा।

पाकिस्तान को झेलना होगा बड़ा नुकसान, साउथ अफ्रीका में हो सकती है चैंपियंस ट्रॉफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान दौरे पर जाने से मना कर दिया है। इस बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने चैंपियंस ट्रॉफी की हाइब्रिड मॉडल में मेजबानी करने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से जवाब मांगा है। पीसीबी ने रविवार को पुष्टि की थी कि उसे आईसीसी से एक ईमेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी।

वहीं खबर है कि, अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मेजबानी से इनकार करता है तो टूर्नामेंट का आयोजन साउथ अफ्रीका में हो सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट का बड़ा नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल को लेकर आश्वासन दिया है कि उसे पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे। 2008 के मुंबई आंतकी हमलों के बाद से भारत ने पाकिस्तान का दौरा नहीं दिया है। दोनों टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंट में ही एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करती हैं।

पीटीआई को एक सूत्र ने बताया कि, जब तक पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से पीछे हटने का फैसला नहीं करता तब तक मौजूदा योजना भारत के मैच यूएई में और फाइनल दुबई में आयोजित करने की है। बीसीसीआई ने आईसीसी से कहा है कि हाइब्रिड मॉडल उन्हें तभी स्वीकार्य है जब फाइनल दुबई में हो न कि पाकिस्तान में।

पीसीबी ने सोमवार को बीसीसीआई द्वारा आईसीसी को ये सूचित करने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि आईसीसी ने पीसीबी से ये पुष्टि करने को कहा है कि क्या हाइब्रिड मॉडल उन्हें स्वीकार्य है, जिसमें भारत के मैच और फाइनल दुबई में आयोजित किया जाएगा।

वहीं आईसीसी ने पीसीबी को आश्वासन दिया है कि इस व्यवस्था के तहत उन्हें पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे। सूत्र ने कहा कि, आईसीसी ने पीसीबी से कहा है कि अगर वह हाइब्रिड मॉडल पर इस मेगा इवेंट की मेजबानी करने का फैसला करता है तो उसे पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे।

वहीं सूत्र ने ये भी बताया कि, अगर भारत के इनकार के कारण पीसीबी टूर्नामेंट की मेजबानी से पीछे हटने का फैसला करता है तो आईसीसी टूर्नामेंट को साउथ अफ्रीका में शिफ्ट करने पर विचार कर सकता है। इससे पहले पीसीबी के एक सूत्र ने कहा था कि अभी हाइब्रिड मॉडल पर कोई बात नहीं हुई है।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में होगी शमी की वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की लगभग एक साल बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी जब वह बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेलेंगे। बंगाल क्रिकेट संघ ने यह घोषणा की। पिछले साल 19 नवंबर को विश्व कप 2023 फाइनल के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर शमी के टखने में चोट थी जिसके लिए उन्हें आपरेशन कराना पड़ा। उनका लक्ष्य बेंगलुरू में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़े रिहैबिलिटेशन के बाद मैच स्थिति में मैच फिटनेस साबित करना होगा। बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव नरेश ओझा ने बयान में कहा, ''भारतीय क्रिकेट टीम और बंगाल रणजी ट्रॉफी को स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ शुरू हो रहे बंगाल के रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने से मजबूती मिलेगी।'' ओझा ने कहा कि शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे और ऑस्ट्रेलिया में मौजूद भारत के थिंक टैंक की नजरें भी उनके प्रदर्शन पर टिकी होंगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ देने के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अनुभवहीन तेज गेंदबाजों पर भरोसा किया है। मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और खलील अहमद भी रिजर्व खिलाड़ियों को शामिल हैं लेकिन इन्हें भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। शमी ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 26.18 के औसत से 16 विकेट चटकाए थे।

सेंचुरियन में टीम इंडिया सुधारेगी अपनी गलती! साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 के लिए बड़ा बदलाव संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सेंचुरियन में तीसरा टी20 मैच खेला जाएगा। फिलहाल चार मैचों की टी20 सीरीज में दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में जीतते-जीतते हार गई। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि टीम इंडिया साउथ अफ्रीका को हरा देगी, लेकिन इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स और गेराल्ड कोएट्जी ने भारत से मैच छीन लिया। वहीं दोनों टीमों के लिए तीसरा टी20 बेहद अहम हो गया है, भारतीय टीम तीसरे टी20 मुकाबले में अपनी गलतियों को दोहराना नहीं चाहेगी। आईपीएल के हीरो अभिषेक शर्मा इंटरनेशनल लेवल पर लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। अब तक इस सीरीज के दोनों मैचों में अभिषेक शर्मा ने निराश किया है। पहले मुकाबले में अभिषेक शर्मा महज 7 रन ही बना पाए थे। इसके बाद दूसरे में वह 4 रन पर आउट हो गए। हालांकि, तीसरे टी20 मैच में भी उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो उन्हें अपनी फॉर्म में लौटना होगा और खुद को साबित भी करना होगा। भारतीय टीम के लिए अक्षर पटेल, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा जैसे

बल्लेबाजों ने निराश किया। हालांकि, तिलक वर्मा को शुरुआत जरूर अच्छी मिली है, लेकिन वह अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे हैं। साथ ही रिंकू सिंह फिनिशर के तौर पर संघर्ष कर रहे हैं।

वहीं भारतीय स्पिनरों को इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वरुण चक्रवर्थी और रवि बिश्नोई ने साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है। लेकिन आखिरी ओवरों में भारतीय तेज गेंदबाज रन रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं। दूसरे टी20 मुकाबले में अर्शदीप सिंह और आवेश खान डेथ ओवर्स में रनों को रोकने में असफल हुए हैं।

बीजीटी के लिए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने किया टीम इंडिया का अनोखा स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 को लेकर कुछ ना कुछ खबरे सामने आती रहती हैं। अब केकेआर यानी कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से एक खबर सामने आई है दरअसल, केकेआर के नए कप्तान को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केकेआर के कप्तान को लेकर ऐसा नाम सामने आया है। जिस पर यकीन करना मुश्किल होगा।

रिपोर्ट के अनुसार टीम के बेहतरीन बल्लेबाज रिंकू सिंह आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिंकू सिंह ही आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की जगह टीम की अगुवाई करेंगे। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने इस पर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है।

आईपीएल 2025 के लिए केकेआर ने आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह और हर्षित राणा को रिटेन किया है। केकेआर ने 4 कैप्ड खिलाड़ी और 2 अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन किए हैं। 55 लाख रुपये वाले रिंकू सिंह को केकेआर ने आगामी सीजन के लिए 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। वरुण चक्रवर्ती 12 करोड़ रुपये, सुनील नरेन 12 करोड़ रुपये, आंद्रे रसेल 12 करोड़ रुपये, हर्षित राणा 4 करोड़ रुपये और रमनदीप सिंह भी 4 करोड़ रुपये में रिटेन हुए हैं।

केकेआर ने 120 करोड़ में से करीब 57 करोड़ रुपये 6 खिलाड़ी रिटेन करने में खर्च कर दिए हैं। अब केकेआर के पास आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में 63 करोड़ रुपये होंगे। पहले ऐसा कहा जा रहा था कि केकेआर सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाना चाहती है, लेकिन सूर्या अब मुंबई में ही रहेंगे। ऐसे में केकेआर को नए कप्तान की तलाश थी, अब खबर है कि केकेआर ने कप्तान के तौर पर रिंकू सिंह के नाम की मुहर लगा दी है। हालांकि, इसका आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

नल जल योजना को जल निगम के अफसरों-ठेकेदारों ने बनाया भ्रष्टाचार का मिशन, पाइप लाइन बिछाने में गड़बड़ी कर किया करोड़ों का बंदरबाट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कहीं बाल्टी भर पानी मिल पा रहा है तो कहीं नल कलेक्शन घरों के सामने बनकर धूल खाते पड़े हैं जहां पानी का बूंदभर नहीं पहुंच पाया। निर्माण कार्य में जमकर गड़बड़ी हुई है जिसका नतीजा यह है कि पानी भले ही बूंदभर न मिला हो लेकिन घरों के सामने बनाए गए नल कनेक्शन के लिए चबूतरे टूट-फूट कर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। करोड़ों की पानी टंकी लिकेज है तो घरों तक पानी पहुंचाने वाली जो पाइप लाइन बिछाई गई है उसमें भी जगह-जगह समस्याएं बनी हुई हैं मगर इसके बावजूद ठेकेदारों को आंख मूंदकर भुगतान किया जा रहा है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि नल जल योजना को जल निगम के अफसरों ने कमाई का मिशन बना दिया।

पानी भरते ही चारों खाने चित हुई नवीन पानी की टंकी: मामला रीवा जिले के सिरमौर विधान सभा क्षेत्र स्थित लूक गांव का है. जिले भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वकांक्षी योजना नल जल योजना के तहत पानी के पाइप लाईन बिछाने के साथ ही नवीन पानी की टंकियों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है. लूक गांव में नल जल योजना के तहत बनी नवीन पानी की टंकी उस वक्त चारों खाने चित्त होकर भरभरा कर धाराशाही हो गई जब उसमें पानी की सप्लाई शुरु की गई. इस तरह की घटना को देखकर ही इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है की कहीं न कहीं नल जल योजना में व्यापक भ्रष्टाचार हो रहा है।

जिले भर में चल रही नल जल योजना में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार होने की संभावना जताई जा सकती है. फिलहाल यह तो पहला ऐसा मामला है जिसमे पानी भरते ही नवीन पानी की टंकी पानी की सप्लाई शुरु होते ही उसका भार नहीं सह पाई, अचानक से जमीन पर धड़ाम हो गई. जिले भर में नल जल योजना के अंतर्गत कई पानी की टंकियों का निर्माण कार्य कराया जा चुका जबकि कई स्थानों में इसका निर्माण चल रहा है या निर्माण कार्य कराया जाना है। अधिकारियों को निर्माण कार्य के दौरान ही प्रत्येक पानी की टंकियों का निरिक्षण करना चाहिए था. अगर एसा होता तो शायद लूक गांव में नल जल योजना के अंतर्गत बनी नवीन पानी की टंकी में पानी भरते ही वह धराशायी नहीं होती। वहीं विभाग के अफसरों की ऐसी लापरवाही निकलकर सामने आई है कि पाइप लाइन बिछाने में भी करोड़ों के बंदरबाट कर लिए गए।

राजस्व महाअभियान 15 से 15 दिसम्बर तक चलाया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशों के अनुसार 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक राजस्व महाअभियान-3 चलाया जाएगा। अभियान के तहत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेखों में सुधार तथा नक्शा तरमीम के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वामित्व योजना तथा अन्य राजस्व कार्यों के प्रकरणों का भी निराकरण किया जाएगा। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश देते हुए कहा है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप राजस्व महाअभियान-3 का क्रियान्वयन करें। अभियान के लिए सभी कलेक्टर रणनीति तैयार कर लें। प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्य रूप से कराएं। बी-1 के वाचन के समय राजस्व निरीक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अभियान के संबंध में सभी एसडीएम बैठक लेकर शासन के निर्देशों को पटवारियों को अवगत कराएं। अभियान के दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर तथा एसडीएम राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान अभियान के लिए निर्धारित सभी बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। राजस्व महाअभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। प्रत्येक गांव में दीवार लेखन के माध्यम से शिविर की तिथियों की जानकारी दें। सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान की पूरी जानकारी दें।

कमिश्नर ने कहा कि रीवा संभाग के सभी जिलों में नक्शा तरमीम के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। साथ ही नक्शा तरमीम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के शेष प्रकरणों में आधार सीडिंग एवं स्वामित्व योजना में पात्र हितग्राहियों को आवासीय पट्टे जारी करने की कार्यवाही भी करें। अभियान के दौरान अभिलेखों में सुधार, खसरे के अनुसार नक्शे में बटांकन दर्ज करने के प्रकरण निराकृत करें। अभियान के दौरान प्रत्येक भू स्वामी के खसरे नम्बर से आधार संख्या की सीडिंग कराएं। किसान पोर्टल पर स्वयं आधार सीडिंग कर सकता है। इसका सत्यापन पटवारी से कराएं। संभाग के सभी तहसीलों में निर्धारित अवधि में प्रत्येक पटवारी हल्के में शिविर लगाकर बी-1 का वाचन कराएं। बी-1 के वाचन से प्राप्त फौती नामांतरण के प्रकरण दर्ज कर उनका अभियान के दौरान निराकरण करें।

मनकहरी में माइनिंग की सेटिंग, पूरा गांव बना अवैध मिट्टी-मुरूम का ठीहा

दिनभर में लाखों की कमाई कर रहे खनन माफिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र स्थित मनकहरी गांव इन दिनों खनन माफियाओं के लिए कुबेर का खजाना बना हुआ है जहां माफियाओं के द्वारा अवैध मिट्टी और मुरूम का उत्खनन व परिवहन कर दिन के लाखों रुपए की कमाई का जरिए बना हुआ है वहीं मजे की बात यह है कि माइनिंग विभाग के साथ जिले के तमाम आला अधिकारी भी अपनी आंखों में पट्टी बांध कर बैठे हुए हैं जिससे खनन माफियाओं ने पूरे गांव की जमीनों पर अपना कब्जा जमाया हुआ है।

दरअसल करीब 6 माह पूर्व जिले में अवैध खदान की मुरूम से दो महिलाओं को दफनाने के प्रयास का मामला सामने आया था। जिसमें घटना की वजह से प्रदेश सरकार विपक्ष के निशाने पर थी । मुख्यमंत्री की पहल के बाद तीन लोगों पर एफआइआर भी दर्ज हुई लेकिन अभी तक जिस अवैध खदान से मुरूम आई उस पर कोई कार्रवाई खनिज विभाग व जिला प्रशासन नहीं कर पाई है बल्कि अन्य इलाकों में भी मुरूम की अवैध खदानों को खनिज विभाग का संरक्षण मिल रहा है।

सगरा थाने के मनकहरी गांव में भी बीते कई महीनों से खनन माफियाओं का अवैध उत्खनन का खेल जारी है तथा पूरे गांव में खनिज माफिया मुरूम और मिट्टी की कालाबाजारी कर रहे हैं और यहां से निकलने वाली मुरूम और मिट्टी के उपयोग का भी कोई लेखा जोखा नहीं मिल पा रहा है। मगर खनिज संपदा के नुकसान की चिंता किए बगैर विभाग के द्वारा आंख में पट्टी बांध ली गई है जिसके कारण खनिज माफिया बेपरवाह होकर पहाड़ की छाती को छलनी करने में जुटे हुए हैं।

सेमरिया हत्याकांड: युवक की चाकू गोदकर हत्या के मामले में कांग्रेस का प्रदर्शन

कांग्रेसियों ने तैयार की चिता, बोले-पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो करेगें आत्मदाह

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद भी नहीं निकला विरोध का निष्कर्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेमरिया विधानसभा में हुई एक युवक की मौत के बाद बवाल मच गया सोमवार की दोपहर मृतक के परिजनो ने हंगामा करते हुए रास्ते पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया था और स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। परिजनों का आरोप था की उनके बेटे की हत्या की गई है जिसके कारण आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही परिजनों ने थाना प्रभारी को निलंबित करने की मांग की। मंगलवार की सुबह एक बार फिर मामले ने तूल पकड़ लिया और सेमरिया को पूरी तरह से बंद कर दिया गया. परिजन और कांग्रेसी नेता लगातार कार्रवाई कर मांग पर अड़े रहे. 24 घंटे बीत जानें के बाद भी जब कोई निष्कर्ष नही निकला तो कांग्रेसी नेताओं ने धरना स्थल पर ही खुद के लिए चिता तैयार की और आत्मदाह करने की चेतावनी दी।

युवक की मौत से बबाल कांग्रेस ने तैयार के खुद की चिता : सेमरिया बंद करके शव को सड़क पर रखकर पीछले 24 घंटे से धरने पर बैठे मृतक के परिजनो का कहना था की 35 वर्षीय अजय केवट की मौसी का जमीनी विवाद चल रहा था उसी सिलसिले में अजय केवट मौसी की तरफ से पैरवी करते हुए थाने के चक्कर काट रहा था. जमीनी विवाद को लेकर गांव के ही हनुमान सिंह ने कई बार उसे धमकी भी थी इसके बाद परीजनो ने इसकी शिकायत थाने में की मगर पुलिस ने उनकी फरियाद नही सुनी परिजनों का आरोप है की 5 बार वह थाने गए लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नही की और अंत में अजय केवट की हत्या हो गई।

परिजनों का कहना है कि हनुमान सिंह ने चाकू मारकर उसे मौत के घाट उतारा है। आरोप है कि सोमवार की दोपहर तकरीबन 3 बजे घर के समीप ही अजय केवट पर चाकु से हमला करके उसे घायल कर दिया गया. बताया गया की वारदात के बाद चाकू से हमला करके बदमाश मौके से फरार हो गए जिसके बाद घायल अवस्था में अजय केवट घर के बाहर तक आया इसके बाद उसने दम तोड दिया।

कांग्रेस ने घटना पर विरोध कर लगाया जाम: अजय केवट की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए इसी दौरान घटना की सूचना सेमरिया विधायक अभय मिश्रा सहित अन्य कांग्रेसी नेताओ को लग गई उन्होने ने मृतक के परिजनों का साथ दिया और सेमरिया बाजार में जाम लगा दिया तथा कार्रवाई की मांग पर अड़ गए. सोमवार की शाम को ही कांग्रेस नेताओ ने विरोध में मंगलवार को सेमरिया बंद करने की चेतावनी दी थी. जिसके बाद मंगलवार को पूरा सेमरिया बंद किया गया इसके बाद भी जब बात नही बनी तो कांग्रेसियों ने धरना स्थल पर ही चिता तैयार की और आत्मदाह करने की चेतावनी दे दी।

ममाले पर विधायक अभय मिश्रा ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए है उनका कहना था की रीवा में अपराध बेहिसाब है हमने लकड़ी मंगवाई है ऐसा जीने से तो बेहतर है की न जिए तो ज्यादा बेहतर है. वहीं मामले पर पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने कहा की घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था धरने पर बैठे लोगो को समझाइस दी गई थी लेकिन इसके वावजूद भी वह प्रदर्शन पर डटे हुए रहे जिससे स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल की तैनाती भी की गई।

किसान एनपीके और एसएसपी खाद का उपयोग करें - उप संचालक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने जिले के किसानों से आगामी फसल की बोनी के लिये एनपीके तथा एसएसपी (सिंगल सुपर फास्फेट) खाद का उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद भण्डारित है। डीएपी खाद भी लगभग सभी समितियों में उपलब्ध है। डीएपी खाद की आपूर्ति नियमित रूप से प्राप्त हो रही है। डीएपी खाद उपलब्ध न होने पर उसके विकल्प के रूप में किसान एनपीके मिश्रण तथा सिंगल सुपर फास्फेट खाद का उपयोग करें। इन खादों के उपयोग से फसल उत्पादन में डीएपी के समान ही प्रभावकारी परिणाम मिलते हैं। जिले में सहकारी समितियों, विपणन संघ तथा निजी खाद विक्रेताओं के पास पर्याप्त मात्रा में एनपीके तथा सिंगल सुपर फास्फेट उपलब्ध है।

उप संचालक ने बताया कि डीएपी खाद यानी डाई अमोनियम फास्फेट में फसल को मुख्य रूप से नाइट्रोजन तत्व की आपूर्ति होती है। साथ ही फास्फोरस की भी आपूर्ति होती है। जब किसान एनपीके तथा एसएसपी का उपयोग करता है तब फसल को नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटैशियम तीनों तत्व संतुलित मात्रा में प्राप्त हो जाते हैं। डीएपी की एक बोरी से 23 किलोग्राम फास्फोरस तथा 9 किलोग्राम नाइट्रोजन मिलता है। सिंगल सुपर फास्फेट एसएसपी की तीन बोरियों एवं यूरिया खाद की एक बोरी मिलाने पर इनकी कुल कीमत डीएपी की एक बोरी की कीमत से कम होती है। इस मिश्रण से 24 किलोग्राम फास्फोरस, 24 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 16.5 किलोग्राम सल्फर प्राप्त होता है। यह पौधों के लिये अधिक लाभकारी है। पोटैशियम तत्व के उपयोग से फसल के दानों में अच्छी चमक आती है। सल्फर तत्व सरसों की फसल के लिये लाभकारी है। सल्फर के उपयोग से सरसों में तेल की मात्रा में वृद्धि होती है। इसलिये किसान भाई डीएपी के स्थान पर यदि एसएसपी और यूरिया के मिश्रण का उपयोग करते हैं तो दोहरा लाभ होगा। उन्हें डीएपी की तुलना में कम पैसे खर्च करने होंगे। साथ ही फसल को लाभ अधिक मिलेगा।

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती 15 नवम्बर को जिले भर में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस क्रम में जिले भर में 15 से 26 नवम्बर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला शिक्षा अधिकारी, कुलसचिव अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय तथा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा को शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी शिक्षण संस्थाओं तथा छात्रावासों में भाषण, लोकनृत्य, संगोष्ठी, रैली तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता जैसे आयोजन करके भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालें। जनजातीय गौरव दिवस पर आदिवासी लोकनृत्य, लोकगीत तथा लोकनाट्य के भी आयोजन करें।

योजनाओं का लाभ आमजनों तक पहुंचाने के लिए करें नवाचार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं का लाभ आमजनता तक पहुंचाने के लिए नवाचार करें। आगामी बैठक में नवाचार के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी। क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करके विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाएं। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के एजेण्डा बिन्दुओं के लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण के लिए निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्य के अनुसार सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। इस सप्ताह चिकित्सा शिक्षा विभाग, पीएचई विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग ने अच्छा निराकरण किया है। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि कई विभागों में न्यायालयीन प्रकरण तथा पेंशन प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर जवाबदावा दायर कराएं। साथ ही प्रकरण के संबंध में शासकीय अधिवक्ता से संपर्क कर विभाग का पक्ष न्यायालय में प्रस्तुत करें। लंबित पेंशन प्रकरणों की कमियाँ दूर करके 15 दिवस में इनका निराकरण कराएं। संभागीय अधिकारी तकनीकी शिक्षा तथा कौशल विकास प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जिलेवार तथा विकासखण्डवार जानकारी प्रस्तुत करें। मुख्य अभियंता विद्युत मण्डल बिगड़े ट्रांसफार्मर बदलने का अभियान चलाएं। किसानों से न्यूनतम राशि जमा कराकर खराब ट्रांसफार्मर बदलें। बिजली की नियमित आपूर्ति तथा बिलों की वसूली पर ध्यान दें। कमिश्नर ने बैठक से अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर उपायुक्त अनुसूचित जाति तथा जनजातीय कल्याण विभाग, संयुक्त संचालक शिक्षा को नोटिस देने तथा प्रभारी अधिकारी पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

पीएम विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के समस्त पीएम विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक 13 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में आहूत बैठक में सीएम राइज विद्यालयों के भवन निर्माण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जायेगी। इसी क्रम में दोपहर 12 बजे से बाणसागर सभागार में निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक में किये जा रहे कार्यों तथा नवीन प्रस्तावित कार्यों/प्रोजेक्ट पर चर्चा होगी। संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित के निर्देश दिये गये हैं।

कलेक्टर ने की 67 आवेदकों की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने 67 आवेदकों की सुनवाई की। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

जनसुनवाई में रामानुज चौरसिया भीटी गुढ़ ने बाणसागर नहर का लंबित मुआवजा देने का आवेदन दिया जिसे कलेक्टर ने भू-अर्जन शाखा को प्रेषित कर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने झल्लू प्रसाद चर्मकार लटियार जवा के खसरा में सुधार करने तथा लक्ष्मणपुर निवासी बैजनाथ साकेत के खसरा में नाम दर्ज करने के आवेदनों में तहसीलदार को कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इन्द्रपाल द्विवेदी खड्डा सेमरिया ने प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिलाने, बरौ सेमरिया के अंकुश पटेल ने पीसीसी सड़क निर्माण कराने का आवेदन दिया जिन्हें कलेक्टर ने सीईओ को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

खारा सेमरिया के मुन्नालाल के अवैध निर्माण पर रोक लगाये जाने, मंगलेश्वर सिंह जोन्ही निवासी के भूमि में रोपित सागौन के पौधों को खसरे में दर्ज कराने तथा जरहा निवासी आशुतोष उपाध्याय के विशाल बरगद के पेड़ को हटाने के आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया।

जिले की एक ग्राम पंचायत पूर्णत: सोलर ग्राम पंचायत बनाई जाएगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की एक ग्राम पंचायत को पूर्णतः सोलर ग्राम पंचायत बनाया जाएगा। इसके तहत संबंधित ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर को सोलर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किया जाएगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम बनाकर परीक्षण कराते हुए ग्राम पंचायत का चयन कराएं। इस कार्य के लिए एनआरएलएम को नोडल बनाया जाएगा तथा ग्राम पंचायतों की बैठक आयोजित कर सरपंचों व अन्य पदाधिकारियों के सहयोग से यह कार्य कराया जाएगा। उन्होंने कहा है कि योजना के संबंध में ग्राम पंचायतों को सूचित किया जाए तथा मानकों में पात्र पाई जाने वाली ग्राम पंचायत को पूर्णतः सोलर ग्राम पंचायत बनाने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने कार्यालयों की छत में सोलर पैनल लगाए जाने के प्रस्ताव अक्षय ऊर्जा विभाग को 20 नवम्बर तक दें ताकि विभाग द्वारा कार्यालयों को सोलर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किया जा सके।

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर विशेष ग्राम सभाओं का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 नवम्बर को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले की 424 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि पीएम जनमन अभियान के आधार पर 18 विभिन्न विभागों की 25 योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन किया जाकर समृद्ध ग्राम की अवधारणा पर आधारित गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।